तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 23 अगस्त 2026 ■ श्रावण शुक्ल पक्ष-11 ■ वर्ष -42 ■ अंक-145 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 24 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

कांग्रेस नेता पर जानलेवा हमला

बिलासपुर,23 अगस्त। बिलासपुर के तारबाहर थाना क्षेत्र के रेलवे अस्पताल के पास मॉर्निंग वॉक पर निकले कांग्रेस नेता श्याम कश्यप पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पांच लाख रुपये की फिरौती के लालच में हत्या की नीयत से श्याम कश्यप पर हमला किया था. मामले में पुलिस ने पूर्व में नितिन टेकाम व एक नाबालिग समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था. पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 की सुबह करीब 6:45 बजे कांग्रेस नेता श्याम कश्यप मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे. रेलवे अस्पताल के पास तीन नकाबपोश युवक डंडे और नुकीली वस्तु लेकर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर उनके साथ मारपीट की. घटना की रिपोर्ट तारबाहर थाने में दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की. जांच के दौरान पुलिस की टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घटना में प्रयुक्त बाइक की पहचान की.

कांवड़ यात्रा पर सरकार

मुख्यमंत्री ने रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,23 अगस्त। पवित्र श्रावण मास में राजधानी रायपुर आज भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय गुढ़ियारी स्थित मारुति मंगलम परिसर में आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को पवित्र श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति का विशेष अवसर है। इस पवित्र माह में कांवड़ यात्रा हमारी आस्था, भक्ति और समर्पण की अनुपम अभिव्यक्ति है। हजारों शिवभक्त पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ के अभिषेक के लिए पैदल निकलते हैं। कठिन यात्रा के बीच शिवभक्तों का उत्साह और श्रद्धा सनातन संस्कृति में निहित आस्था की शक्ति को प्रकट करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुढ़ियारी के मारुति मंगलम परिसर से हजारों कांवड़िए पवित्र जल लेकर महादेव घाट स्थित भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए रवाना हुए हैं। शिवभक्तों के जयघोष और भक्ति से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा है। यह आयोजन केवल धार्मिक यात्रा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का उत्सव भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मंदिर छत्तीसगढ़ की प्राचीन शिव आराधना परंपरा का प्रमुख केंद्र है। महादेव घाट में विराजमान भगवान हटकेश्वरनाथ के प्रति प्रदेशवासियों की गहरी आस्था है। विशेष रूप से श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान जितनी इसकी प्राकृतिक सुंदरता और लोक-संस्कृति से है, उतनी ही इसकी गहरी आध्यात्मिक परंपराओं से भी है। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों में स्थित प्राचीन शिवधाम और शक्तिपीठ हमारी समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के साक्षी हैं। यहां के पर्व, उत्सव और धार्मिक यात्राएं समाज को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़े रखती हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों में समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ जुड़ते हैं। इससे आपसी सद्भाव, सामाजिक एकता और समरसता की भावना मजबूत होती है। सेवा, सहयोग और सामूहिकता की यही भावना छत्तीसगढ़ की संस्कृति की विशेषता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इससे हमारी आस्था के केंद्रों को नई पहचान मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं को भी विस्तार मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कांवड़ यात्रा में शामिल सभी शिवभक्तों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की निरंतर प्रगति की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा छत्तीसगढ़ और प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे। हर परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली आए तथा हमारा छत्तीसगढ़ विकास और जनकल्याण के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, निगम-मंडलों के अध्यक्ष, गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

पीएम मोदी ने स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स से की मुलाकात

बोले- दुनिया का टैलेंट भारत लाना है

नई दिल्ली,23 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारत के तेजी से बढ़ते प्राइवेट स्पेस सेक्टर को नई दिशा देने वाले स्टार्टअप्स और उनके फाउंडर्स से मुलाकात की। इस दौरान देश के निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम, स्पेस टेक्नोलॉजी, नए इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते इस्तेमाल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने इस दौरान स्पेस सेक्टर में भारत की बढ़ती क्षमता और देश के स्टार्टअप्स के लिए मौजूद अवसरों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत के पास कम लागत, बेहतरीन टैलेंट और जोखिम उठाने की क्षमता जैसी कई मजबूत खूबियां हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से मुलाकात का एक वीडियो शेयर किया गया। वीडियो में पीएम मोदी स्पेस टेक्नोलॉजी और भारत के प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम पर अपनी बात रखते नजर आए। स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स से बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पास स्पेस सेक्टर में एक बेहतरीन कॉमर्शियल मॉडल बनाने की क्षमता है। उन्होंने भारत की कम

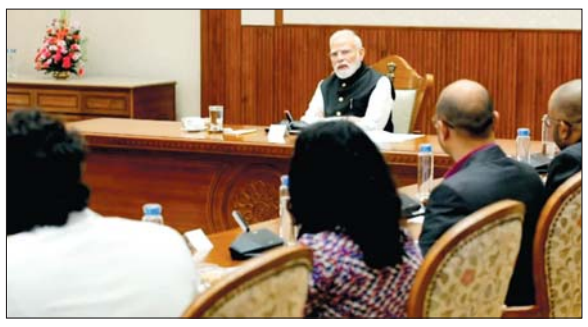

लागत और प्रतिस्पर्धी क्षमता का जिक्र करते हुए कहा कि टैलेंट के मामले में देश के पास कोई कमी नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीयों की रिस्क लेने की क्षमता को भी भारत की बड़ी ताकत बताया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को स्पेस सेक्टर में ऐसा माहौल और पहचान बनानी चाहिए, जिससे दुनिया भर के प्रतिभाशाली लोग भारतीय कंपनियों की ओर आकर्षित हों। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य केवल अपने देश के टैलेंट का इस्तेमाल करना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसा इनोवेशन इकोसिस्टम तैयार करना चाहिए जो दुनिया के बेहतरीन टैलेंट को भारत की ओर खींच सके। इससे भारतीय स्पेस कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। नेशनल स्पेस डे के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'हैप्पी नेशनल स्पेस डे!' लिखते हुए भारत के युवाओं और इनोवेटर्स से बड़े सपने देखने, ज्यादा इनोवेशन करने और नई सीमाओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत के स्पेस सेक्टर की युवा ऊर्जा से मिलकर उन्हें काफी अच्छा लगा। उन्होंने युवा उद्यमियों और इनोवेटर्स की तारीफ करते हुए कहा कि इन लोगों ने एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में कदम रखा, जोखिम उठाया और लगातार बेहतर करने की कोशिश की। भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। इसका असर देश के तेजी से विकसित होते प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम में दिखाई दे रहा है। आज भारत में कई स्टार्टअप सैटेलाइट, रॉकेट, स्पेस डेटा, लॉन्च व्हीकल और दूसरी आधुनिक स्पेस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं। इससे भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में सरकारी संस्थानों के साथ-साथ निजी कंपनियों की भूमिका भी लगातार बढ़ रही है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बैगा दंपत्ति की मौत

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही,23 अगस्त। छत्तीसगढ़ के गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला है, जहां आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बैगा पति-पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। यह हादसा मरवाही थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कटरा ढपनिपानी में हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार शाम करीब 7 बजे मृतक मंगल सिंह (46 वर्ष) घर की दीवार से टिककर बैठे हुए थे, जबकि उनकी पत्नी बिरस्पतिया बाई (43 वर्ष) पास ही परछी में काम कर रही थीं। इसी दौरान गर्जना और तेज चमक के साथ आकाशीय बिजली सीधे मकान पर आ गिरी। गाज की तीव्रता इतनी तेज थी कि दोनों दंपत्ति अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े। हादसे के तुरंत बाद परिजनों ने एम्बुलेंस की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद ही दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक दंपत्ति विशेष पिछड़ी जनजाति (PVTG) बैगा समुदाय से ताल्लुक रखते थे। परिवार के दो प्रमुख सदस्यों की एक साथ हुई असमय मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

आरक्षण खैरात नहीं संवैधानिक अधिकार है : चिराग पासवान

नई दिल्ली,23 अगस्त। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आरक्षण-विरोधी प्रदर्शनों पर अपनी राय रखी। पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कांग्रेस के संसद मार्ग थाने के बाहर धरने और चीनी के बढ़ते दामों पर भी अपनी बात रखी। पासवान ने कहा कि जंतर-मंतर पर जाति-आधारित आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोग अगर अपनी मांगों को सुव्यवस्थित तरीके से सरकार के सामने रखेंगे, तो सरकार उनसे बातचीत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि आरक्षण कोई खैरात नहीं, बल्कि एक संवैधानिक अधिकार है। इसे किसी के मांगने से खत्म नहीं किया जा सकता। जाति की जगह आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग पर उन्होंने साफ किया कि एनडीए सरकार पहले ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण लागू कर चुकी है। चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस दिल्ली के संसद मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करके 'वंदे मातरम' विवाद से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि विरोध-प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है,

लेकिन इसका इस्तेमाल मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए करना गलत है। कांग्रेस नेतृत्व इस समय 'वंदे मातरम' के अनादर से जुड़े सवालों से घिरा हुआ है। पटना में छात्रों के प्रदर्शन को राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए समर्थन पर पासवान ने कहा कि विपक्ष के नेता होने के नाते यह उनकी जिम्मेदारी के अनुरूप है और यह अच्छी बात है। देश में चीनी की कीमतों में हो रही वृद्धि पर चिंता जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार इस समस्या के जल्द समाधान पर काम कर रही है।

नदी में बहे तीनों मासूमों के शव बरामद

बिलासपुर,23 अगस्त। तखतपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत समडील में घोंघा नदी में बह गए तीनों मासूम बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं। स्कूल से छुट्टी के बाद शॉर्टकट रास्ते से नदी पार कर घर लौट रहे बच्चों के अचानक तेज बहाव की चपेट में आने से यह दर्दनाक हादसा हुआ था। कल शाम से एसडीआरएफ की टीम लगातार नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। एक बच्चे का शव कल ही बरामद हो गया था, जबकि आज सुबह दो अन्य बच्चों के शव भी खोज लिए गए। तीनों शव मिलने के साथ ही तलाश अभियान पूरा हो गया, लेकिन इस हादसे ने पूरे गांव और क्षेत्र को गहरे सदमे में डाल दिया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम समडील निवासी 7 वर्षीय अनमोल जायसवाल पिता भुवनेश्वर जायसवाल, 9 वर्षीय सिद्धि जायसवाल पिता भुवनेश्वर जायसवाल और 8 वर्षीय रिद्धि जायसवाल पिता विजय जायसवाल स्कूल से छुट्टी के बाद अपने घर लौट रहे थे। बताया गया कि बच्चे सामान्य रास्ते के बजाय शॉर्टकट रास्ते से घोंघा नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान नदी का बहाव अचानक तेज हो गया और तीनों मासूम पानी की चपेट में आकर बह गए। हादसे की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल बच्चों की तलाश शुरू की और पुलिस को घटना की सूचना दी। प्रशासन ने एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया, जिसके बाद नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। टीम ने कल शाम से लगातार बच्चों की तलाश की। कठिन परिस्थितियों के बावजूद जवानों ने रातभर अभियान जारी रखा। सर्च ऑपरेशन के दौरान एक बच्चे का शव कल बरामद किया गया था। इसके बाद दो अन्य बच्चों की तलाश के लिए अभियान जारी रखा गया। आज सुबह एसडीआरएफ की टीम ने नदी में तलाश करते हुए दोनों लापता बच्चों के शव भी बरामद कर लिए। तीनों मासूमों के शव मिलने के बाद परिजनों को इसकी जानकारी दी गई। बताया जा रहा है कि तीनों बच्चे एक ही परिवार के दो भाइयों के बच्चे थे। अनमोल जायसवाल केजी-2, जबकि सिद्धि और रिद्धि कक्षा तीसरी में पढ़ती थीं।

महादेव की भक्ति में सराबोर मुख्यमंत्री साय ने कहा, शिव कृपा से समृद्ध हो रहा छत्तीसगढ़

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अगस्त। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ रविवार को भिलाई पहुंचे यहां उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा वाचित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा के अंतिम दिन कथा का श्रवण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने व्यासपीठ का विधिवत पूजन किया और पंडित प्रदीप मिश्रा से आशीर्वाद लिया मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की शिव महापुराण कथा के समापन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ पर देवाधिदेव भगवान महादेव की विशेष कृपा है उन्होंने कहा कि प्रदेश में भगवान भोलेनाथ के साथ-साथ अलग-अलग स्थानों पर विराजित देवी-देवताओं की भी असीम कृपा बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों में आध्यात्मिक चेतना बढ़ती है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने साइबर जागरूकता से संबंधित पोस्टर का विमोचन भी किया। उन्होंने लोगों से साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने और ऑनलाइन गतिविधियों में सावधानी बरतने की अपील की। सात दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन भिलाई में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला मुख्यमंत्री ने आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं

एक नजर

निर्माणाधीन मकान से लोहे की सेंटरिंग प्लेट चोरी करने वाले गिरफ्तार

भिलाई, 23 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भिलाई ग्राम-उमरपोटी भाठा में निर्माणाधीन मकान से 63 नग लोहे की सेंटरिंग प्लेट चोरी के मामले में उतई थाने पुलिस ने ललित कबाड़ी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है उतई टीआई मोहन भारद्वाज ने बताया कि अगस्त को प्रार्थी बाबूलाल साहू (62) निवासी हथखोज पारा उतई ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह बिल्डिंग ठेकेदार का कार्य करता है ग्राम उमरपोटी भाठा में डमडम पाण्डेय की बाड़ी के पास निर्माणाधीन मकान में उसका निर्माण कार्य चल रहा है, जहां लगभग 200 नग लोहे की सेंटरिंग प्लेट एवं फर्मा रखा हुआ था प्रार्थी निर्माण स्थल से गया था अगले दिन सुबह वापस आने पर निर्माण स्थल से लगभग 63 नग लोहे की सेंटरिंग प्लेट, कीमत लगभग 45,000, चोरी होना पाया गया। रिपोर्ट पर थाना उतई में धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की। प्रकरण में सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्य संकलन एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेहियों की पहचान की पुलिस ने संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की घटना में शामिल होना तथा महिन्द्रा पिकअप वाहन के माध्यम से चोरी की सामग्री ले जाना बताया गया। पूछताछ एवं आरोपियों की निशानदेही के आधार पर चोरी गई सेंटरिंग प्लेट में से 45 नग बरामद किए गए तथा घटना में प्रयुक्त महिन्द्रा पिकअप वाहन भी बरामद किया मामले में आरोपी अजय ठाकुर (23) निवासी मिनीमाता पारा, स्टेशन मरोदा, ईश्वर निषाद (27) निवासी मिनीमाता पारा, चन्द्रहास आडिल (25) निवासी सूर्यनगर नेवई व ललित साहू (57) निवासी आर्यनगर कोहका को गिरफ्तार किया है।

मॉर्निंग वॉक पर निकली युवती लापता,एफआइआर दर्ज

भिलाई, 23 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मॉर्निंग वॉक पर घर से निकली युवती वापस घर नहीं पहुंचने पर उसकी माता ने पद्मनाभपुर थाने पहुंच कर शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने धारा 140 (3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है पद्मनाभपुर पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया ममता टंडन निवासी विवेकानंद नगर ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी दो बेटी है। बड़ी बेटी दिव्यांशी टंडन (18 साल) एक माह की है सुबह 6.30 बजे वह मॉर्निंग वॉक पर जा रही हूं कह कर घर से निकली थी लेकिन वापस घर नहीं लौटी है परिवार वालों ने आसपास के परिचित लोगों एवं रिश्तेदारों से पूछताछ कर लिया परंतु कहीं भी उसका पता नहीं चला है युवती का रंग गोरा है और वह दुबली पतली है उसने घर से जाते समय काम में सोने की बाली, नाक में सोने की फुल्ली, गले में काला रंग का रेशिम धागा पहनी है पैर में चांदी की पायल पहनी हुई है। उसने अपने पास मोबाइल भी रखा हुआ है किसी व्यक्ति द्वारा उसे ले जाकर कहीं रखे जाने की संभावना व्यक्त की गई है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नंदनी रोड-केनाल रोड मोड़ पर बिगड़ रही यातायात व्यवस्था, हादसों का भी खतरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अगस्त। नंदनी रोड से केनाल रोड एवं शीतला कॉम्पलेक्स की ओर जाने वाले मोड़ पर लगातार लग रहे जाम और अव्यवस्थित यातायात को लेकर शिवसेना ने चिंता जताई है। संगठन के दुर्ग-भिलाई संयुक्त जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रशासन से यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने तथा शराब दुकान के आसपास सड़क पर हो रही अव्यवस्था पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। राजू गुप्ता ने कहा कि नंदनी रोड-छावनी चौक की ओर से आने वाले वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण उक्त मार्ग पर अक्सर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

शराब दुकान और चखना सेंटर के सामने सड़क पर वाहनों की भीड़ रहने से वाहन चालकों को सामने से आने वाले वाहनों को देखकर अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है। इससे पीछे से आने वाले वाहन चालक भी असंतुलित होकर गिरने की स्थिति में पहुंच जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब खरीदने के लिए आने वाले कुछ लोग यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए रॉन्ग साइड से वाहन मोड़कर सामने से आ रहे वाहनों के बीच से निकलते हैं। इससे न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

शिवसेना नेता ने कहा कि शराब दुकान के आसपास नशे में धुत लोगों द्वारा शोर-शराबा और हुड़दंग किए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सड़क पर खड़े होकर वाहन चालकों और राहगीरों से गाली-गलौज करते हैं तथा विवाद की स्थिति में मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। इससे क्षेत्र का माहौल भी प्रभावित हो रहा है।

राजू गुप्ता ने कहा कि नंदनी रोड व्यस्त मार्ग है और बरसात के दौरान सामने से आने वाले वाहन कई बार स्पष्ट दिखाई नहीं देते। ऐसे में सड़क किनारे और शराब दुकान के सामने वाहनों की भीड़ दुर्घटना का बड़ा कारण बन सकती है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होने की स्थिति को देखते हुए प्रशासन को गंभीरता से कदम उठाने की जरूरत है।

उन्होंने यातायात पुलिस और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से शराब दुकान एवं चखना सेंटर के सामने सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग रोकने, रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई करने, यातायात व्यवस्था सुचारू करने तथा नशे में हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। राजू गुप्ता ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाना आवश्यक है, ताकि नंदनी रोड से आवागमन करने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को राहत मिल सके।

सावन-तीज उत्सव में मातृ शक्तियों का दिखा उत्साह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रोमांच एवं आकर्षण से सराबोर रहा आयोजन

भिलाई, 23 अगस्त। हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार की शाम सावन और तीज के रंग में रंगी नजर आई। यहां क्षेत्र की मातृ शक्तियों ने मिलकर सावन-तीज उत्सव का शानदार आयोजन किया, जिसमें परंपरा के साथ मॉडर्न एंटरटेनमेंट का ऐसा कॉम्बिनेशन देखने को मिला कि पूरा माहौल उत्साह, मस्ती और सेलिब्रेशन से भर गया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने डांस, रैंप वॉक, मेहंदी, म्यूजिकल चेयर और बेस्ट गेटअप जैसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की संयोजक सुमन पांडेय एवं भारती नागदेव ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके बाद शुरू हुई प्रतियोगिताओं ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। कहीं डांस की धूम रही तो कहीं रैंप वॉक में प्रतिभागियों का कॉन्फिडेंस देखने लायक रहा। मेहंदी प्रतियोगिता में क्रिएटिव डिजाइन ने आकर्षण बढ़ाया, जबकि म्यूजिकल चेयर ने खूब हंसी-खुशी और रोमांच पैदा किया।

सावन के पारंपरिक माहौल को मॉडर्न टच देते हुए प्रतिभागियों ने अपनी पसंद के आउटफिट में रैंप वॉक किया। बेस्ट गेटअप प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने अपनी स्टाइल और क्रिएटिविटी से सभी का ध्यान खींचा। आयोजन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह साबित किया कि उत्सव का असली मजा तभी है, जब हर उम्र की महिलाएं खुलकर अपनी प्रतिभा और खुशी को सेलिब्रेट करें।

डांस प्रतियोगिता में निशा सिंह ने शानदार प्रस्तुति देकर पहला स्थान हासिल किया। उनकी प्रस्तुति पर प्रतिभागियों और दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। बेस्ट परफॉर्मेंस का पुरस्कार सुमन पांडेय को मिला। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रीति सिंह ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं रैंप वॉक में काजल भाटनगर ने अपने आत्मविश्वास और स्टाइल से बाजी मारी। बेस्ट गेटअप का पुरस्कार अचल गर्ग को मिला।

कार्यक्रम में सुमन पांडेय, भारती नागदेव, निशा सिंह, काजल भाटनगर, प्रीति सिंह, अचल गर्ग, कल्पना निमजे, अनीता, पूजा, संध्या, मनजीत, अंजू और रूपा सहित क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान सावन के गीतों और संगीत पर महिलाओं ने जमकर मस्ती की। एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं देते हुए सभी ने सेल्फी और ग्रुप फोटो के जरिए यादगार पलों को कैमरे में भी कैद किया। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाली महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पारंपरिक तीज के साथ फन, फैशन, म्यूजिक और फ्रेंडशिप का तड़का इस आयोजन की खासियत रहा।

आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं को रोजमर्रा की व्यस्तता से कुछ पल निकालकर साथ आने, अपनी प्रतिभा दिखाने और खुशियां साझा करने का अवसर देते हैं। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने में भी ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जानकारी देते हुए युवा उद्यमी अमित पांडेय ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड का सावन-तीज उत्सव परंपरा और नए जमाने के सेलिब्रेशन का खूबसूरत फ्यूजन बन गया, जहां महिलाओं ने पूरे जोश के साथ कहा सावन आया है तो सेलिब्रेशन भी फुल ऑन होना चाहिए!

डेढ़ लाख की हेराइन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 23 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शासकीय जिला अस्पताल दुर्ग के आगे नल घर के पास ग्राहक तलाश रहे दो आरोपियों को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस आरोपियों के कब्जे से कुल 14.370 ग्राम चिट्टा (हेरोईन) जब्त किया है जब्त मादक पदार्थ की कीमत 1,48,300 आंकी गई है दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई नवीन राजपूत ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि शासकीय जिला अस्पताल दुर्ग के आगे नल घर के पास दो व्यक्ति चिट्टा (हेरोईन) जैसा मादक पदार्थ अपने पास रखकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और हुलिए के आधार पर घेराबंदी कर दोनों व्यक्तियों को पकड़ा। पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने अपना नाम विकास यादव (27) निवासी सोरीक नगर सारथी चौक धमतरी एवं फ्याज खोखर उर्फसोहेल (26) निवासी लुचकीपारा दुर्ग बताया पुलिस कार्रवाई में आरोपी विकास यादव के कब्जे से 7.370 ग्राम चिट्टा (हेरोईन) जैसा मादक पदार्थ, 1 रेडमी मोबाइल तथा आरोपी फ्याज खोखर उर्फ सोहेल के कब्जे से 7.000 ग्राम चिट्टा (हेरोईन) एवं 01 ओप्पो मोबाइल जब्त किया है।

समाचार संक्षेप

सेल निदेशक वाणिज्यिक ने किया बीएसपी का दौरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अगस्त। । सेल के निदेशक टी.एन. नटराजन ने 22 अगस्त को भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा कर प्रमुख उत्पादन इकाइयों के परिचालन प्रदर्शन की समीक्षा की। निदेशक (प्रभारी) चित्तरंजन महापात्र ने उनका स्वागत किया। सेल में निदेशक का पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भिलाई यात्रा रही। दौरे के दौरान नटराजन ने वायर रॉड मिल और यूनिवर्सल रेल मिल का निरीक्षण कर उत्पादकता एवं परिचालन दक्षता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने उपलब्ध क्षमताओं का अधिकतम उपयोग करते हुए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने की आवश्यकता बताई। इसके बाद इस्पात भवन में आयोजित उच्चस्तरीय मिल्स कलेक्टिव बैठक में उन्होंने वरिष्ठ प्रबंधन के साथ संयंत्र के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने प्रत्यक्ष डिस्पैच बढ़ाने, परिचालन दक्षता एवं बिक्री प्रदर्शन में सुधार तथा उत्पादकता में निरंतर वृद्धि पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। सेक्टर-10 स्थित ओवरहेड वाटर टैंक के समीप आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में नटराजन ने पौधारोपण किया। उन्होंने बीएसपी के हरित प्रयासों की सराहना करते हुए स्वच्छ वायु, जल, उपजाऊ एवं प्रदूषणमुक्त मिट्टी तथा बेहतर स्वास्थ्य को जीवन की वास्तविक संपदा बताया। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए सामूहिक भागीदारी का आह्वान किया।निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने बताया कि बीएसपी द्वारा हर वर्ष संयंत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में करीब एक लाख पौधे लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाली बढ़ाना संयंत्र की पर्यावरण संरक्षण नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दौरे के दौरान कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, संयंत्रकर्मी एवं बीएसपी स्कूलों के विद्यार्थी उपस्थित रहे। महापात्र ने कहा कि बीएसपी से संगठन की अपेक्षाएं काफी अधिक हैं और पूरा कार्यबल निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरएसएम के चार कर्मियों को मिला शिरोमणि पुरस्कार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अगस्त। भिलाई इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य प्रदर्शन के लिए चार कर्मियों को सम्मानित किया गया। योजना का उद्देश्य कार्यक्षेत्र में नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग, संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति और सुरक्षा मानकों के अनुरूप उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित करना है। सम्मानित कर्मियों में जूनियर इंजीनियर प्रकाश चन्द्र पटेल, जूनियर इंजीनियर एसोसिएट लक्ष्मीकांत प्रसाद, इंजीनियर एसोसिएट राजेश शर्मा तथा जूनियर इंजीनियर एसोसिएट श्याम लाल शामिल हैं। समारोह में मुख्य महाप्रबंधक टी. दस्तीदार ने चयनित कर्मियों को स्मृति-चिह्न, प्रशस्ति-पत्र, उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा-पत्र तथा मिठाई कूपन प्रदान किए। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त कर्मियों के समर्पण, कर्मठता और उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक एन.के. खरे, आर.के. राजधर, अरविन्द टंडन, प्रशांत खोंड, एम.के. साहू, दुर्जती सिन्हा तथा उप महाप्रबंधक सुनील कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। पुरस्कार प्राप्त कर्मियों ने कहा कि शिरोमणि पुरस्कार से उनका मनोबल बढ़ा है और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने सम्मान के लिए प्रबंधन के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के आयोजन में मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

मड़ियापारा में तहसील स्तीय तुलसीदास जयंती एवं सियान सम्मान का आयोजन

अतिथियों ने गोस्वामी की जीवनी पर डाला प्रकाश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 23 अगस्त। गोस्वामी का जन्म श्रावण शुक्ल सप्तमी को हुआ था। उन्होंने लिखा है-

रामचरितमानस एहि नामा, सुनत श्रवन पाइअ विश्रामा।

उन्होंने संस्कृत में लिखी रामायण को आम जन की भाषा अवधी में लिखकर, राम नाम को हर घर-हर जन-जन तक पहुँचा दिया। अगर तुलसी न होते तो गाँव-गाँव में रामायण की चौपाईयाँ गूँजती क्या? जैसे तुलसी ने लिखा -

बड़ें भाग मानुष तनु पावा, सुर दुर्लभ सब ग्रंथन्हि गावा।

और इस मानव तन को सार्थक करना हमारे सियानों ने हमें सिखाया। आज के युवाओं से निवेदन है -मोबाइल की स्क्रीन से निकलकर, कभी अपने दादा-दादी के पास बैठिए। उनके पास रामायण है, महाभारत है, किस्से हैं, सीख है। तुलसीदास को समझना है तो सियानों को समझना होगा।

यह आयोजन जिन्होंने धर्म और संस्कृति को एक साथ जोड़ा - एक तरफ तुलसी जयंती, दूसरी तरफ सियान सम्मान। यही हमारा असली छत्तीसगढ़ है, यही हमारी सभ्यता है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि केशव राम साहू द्वारा कविता के माध्यम से गौ सेवा एवं गौ माता रक्षा पर कविता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया किया गया! मानस के प्रखरवक्ता लीलार सिन्हा चैनगंज, बलराम साहू धर्मी, रामकुमार साहू अचौद, राकेश साहू चैनगंज, सुलेखा पिपरिया, वंदना साहू, पुष्पा मिश्रा सभी के द्वारा संगीतमय गोष्ठी की गई!मुख्य अतिथि तिलेश्वरी चेतन बघेल सरपंच ग्राम पंचायत लिमोरा मड़ियापार, अध्यक्षता जी.आर. साहू अध्यक्ष मानस प्रतिष्ठान संघ गुण्डरदेही तहसील कल्याण सिंह साहू कल्याण प्रकोष्ठ गुण्डरदेही एवं भू. पूर्व सरपंच आशीष कुमार शुक्ला सचिव ग्राम पंचायत अर्जुनी अजीत कुमार शुक्ला अध्यक्ष ग्राम विकास समिति लोकेश राजू यादव अध्यक्ष कर्णधार युवा संगठन, हेमलाल साहू मकसूदन साहू, सुनेत राम बनपाल, अश्वनी साहू सुमन लाल साहू संतोष यादव, जगदीश साहू मंच संचालक त्रिभुवन साहू आयोजक समिति गुण्डरदेही तहसील मानस प्रतिष्ठान एवं समस्त ग्रामवासी मड़ियापार।

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने किया नवीन प्रधान न्यायालय भवन का भूमिपूजन

नवीन न्यायालय भवन निर्माण दुर्ग की न्यायिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि : सिन्हा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 23 अगस्त। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन दुर्ग के निर्माण के लिए भूमिपूजन एवं फाउंडेशन स्टोन लेइंग सेरेमनी संपन्न हुई।

इस अवसर पर न्यायिक अधोसंरचना के विकास के साथ डिजिटल न्याय व्यवस्था और वैकल्पिक विवाद समाधान से जुड़ी महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ एवं लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के साथ न्यायाधिपति पी.पी. साहू, न्यायाधिपति नरेश कुमार चंद्रवंशी, न्यायाधिपति रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, न्यायाधिपति विभु दत्त गुरु एवं न्यायाधिपति अमितेंद्र किशोर प्रसाद की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर के स्वागत उद्बोधन से हुआ।

प्रस्तावित नवीन न्यायालय भवन से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं न्यायार्थियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। इसे जिले की न्यायिक व्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुस्तक संधि सेतु का विमोचन मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने किया।

यह पहल न्याय को केवल न्यायालयों तक सीमित रखने के बजाय समाज के बीच संवाद एवं समझ के माध्यम से विवादों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में सामने आई है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की सूचना प्रौद्योगिकी टीम द्वारा विकसित विभिन्न डिजिटल न्यायिक पहलों का शुभारंभ एवं वीडियो प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने अपने उद्बोधन में आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना, तकनीकी नवाचार और जन-केंद्रित न्याय व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवीन न्यायालय भवन के निर्माण को दुर्ग जिले की न्यायिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि बदलते समय और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप न्यायिक संस्थानों को लगातार सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने डिजिटल न्यायिक पहलों और सामुदायिक मध्यस्थता जैसे प्रयासों की सराहना करते हुए न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, सरल, पारदर्शी और जनसामान्य के निकट बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग श्रीमती सुमन एक्का ने आभार प्रदर्शन किया।

एक नजर

स्मार्टफोन खरीदने जा रहे हैं तो ध्यान दें, AI+ के फोन हुए महंगे

रायपुर 23 अगस्त। स्मार्टफोन खरीदने की तैयारी कर रहे ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। स्मार्टफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले मेमोरी कंपोनेंट्स, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और अन्य लागत में बढ़ोतरी का असर अब फोन की कीमतों पर भी दिखने लगा है। इसी के चलते AI+ ने अपने चुनिंदा स्मार्टफोन की कीमतों में करीब 2,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। कंपनी के मुताबिक, बढ़ती लागत का बड़ा हिस्सा अब तक कंपनी ने खुद वहन किया, लेकिन लगातार बढ़ते लागत दबाव के कारण कुछ मॉडल की कीमतों में बदलाव करना जरूरी हो गया। AI+ के सीईओ और N&tQuantum Shift Technologies के फाउंडर माधव शेठ ने कहा कि कंपोनेंट्स की बढ़ती कीमतों से पूरी इंडस्ट्री पर दबाव है। कंपनी आगे भी ग्राहकों को बेहतर तकनीक और वैल्यू देने पर फोकस करेगी। नई कीमतों के तहत AI Plus +2 4GB+64GB अब 10,999 रुपये और 4GB+128GB 11,499 रुपये में मिलेगा, जबकि 6GB+128GB की कीमत 11,999 रुपये रहेगी। AI+ Nova 2 5G की शुरुआती कीमत 13,999 रुपये, Nova 2 Neo 5G की 14,999 रुपये और Nova 2 Pro 5G की 17,999 रुपये हो गई है। वहीं Nova 2 ltra 5G की कीमत 20,999 रुपये से शुरू होगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफने लॉन्च किया नया इंडेक्स फंड

रायपुर, 23 अगस्त। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने बीएसई 500 मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह फंड 'वैल्यू और मोमेंटम' आधारित निवेश रणनीति के जरिए बीएसई 500 खंड से चुनी गई 50 कंपनियों में निवेश का अवसर देगा। यह विकल्प चुनिंदा यूनिट-लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) के माध्यम से उपलब्ध होगा। फंड में कंपनियों का चयन आकर्षक मूल्यांकन और सकारात्मक मूल्य रुझान के आधार पर किया जाएगा। बाजार के बदलते मूल्यांकन और रुझान के अनुरूप पोर्टफोलियो की हर तिमाही समीक्षा की जाएगी, जिससे निवेश रणनीति को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाए रखने में मदद मिलेगी। कंपनी के मुख्य निवेश अधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि यह रणनीति वैल्यू और मोमेंटम जैसे दो महत्वपूर्ण निवेश कारकों को जोड़ती है और ग्राहकों को दीर्घकालिक इक्विटी निवेश का एक अलग विकल्प प्रदान करती है। कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उसका दावा निपटान अनुपात 99.3त्न रहा। 30 जून 2026 तक कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (रू) 3.34 लाख करोड़ रुपये थी।

रायपुर में क्लासिक 350 'गोरखा' एडिशन ने मारी एंट्री

रायपुर 23 अगस्त। आन रॉयल एनफील्ड, कलर्स मॉल के पास, पचपेड़ी नाका में रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 के नए गोरखा एडिशन को आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया। नए कलर के साथ क्लासिक 350 का आइकॉनिक रेट्रो डिजाइन अब और भी बोल्ड, प्रीमियम और आकर्षक नजर आता है। इसका रगेड लुक और दमदार रोड प्रेजेंस बाइक को एक अलग पहचान देता है। लॉन्च के अवसर पर शोरूम में रॉयल एनफील्ड के कई उत्साही ग्राहक और बाइक प्रेमी पहुंचे। ग्राहकों ने क्लासिक 350 गोरखा को करीब से देखा और इसके नए कलर व स्टाइल की जमकर सराहना की। बाइक को लेकर ग्राहकों में काफी उत्साह देखने को मिला और कई लोगों ने इसकी बुकिंग में भी रुचि दिखाई। आन रॉयल एनफील्ड की टीम के अनुसार, क्लासिक 350 गोरखा उन राइडर्स के लिए खास है, जो रॉयल एनफील्ड के क्लासिक अंदाज के साथ अपनी बाइक में एक अलग और दमदार लुक चाहते हैं। क्लासिक 350 गोरखा की बुकिंग अब शुरू हो गई है। इच्छुक ग्राहक आन रॉयल एनफील्ड पहुंचकर बाइक की जानकारी ले सकते हैं और अपनी बुकिंग करा सकते हैं।

हर अटूट बंधन का जश्नः 'चांदी भंडार' लाया है रक्षाबंधन का बेहद खास और आकर्षक सिल्वर कलेक्शन

रायपुर 23 अगस्त। रक्षाबंधन सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि अपनों के बीच प्यार और भरोसे के साथ एक रस्म से कहीं आगे बढ़कर है, जो हर साल रिश्तों को और भी मजबूत बनाता है।

इस ख़ास मौके को और भी यादगार बनाने के लिए, 'चांदी भंडार' 92.5 स्टर्लिंग सिल्वर (शुद्ध चांदी) से तराशी गई राखियों और ब्रेसलेट का एक शानदार कलेक्शन लेकर आया है। यह कलेक्शन हर भाई-बहन और प्रियजन के लिए एक परफ़ेक्ट गिफ्टिंग ऑप्शन है। इसमें बेहतरीन स्टेटमेंट पीसेस से लेकर सादगी पसंद लोगों के लिए मिनिमल डिज़ाइन वाली राखियां शामिल हैं, साथ ही ऐसे सिल्वर ब्रेसलेट भी हैं जिन्हें त्योहार बीत जाने के बाद भी एक खूबसूरत याद के तौर पर पहना जा सकता है। इस कलेक्शन में त्योहार के हर्षोल्लास से साथ हमारी सासंकृतिक

झलक भी नज़र आती है। भगवान जगन्नाथ से प्रेरित राखियां इसका मुख्य आकर्षण हैं, जबकि बच्चों के के लिए खास डिज़ाइन भी पेश किए गए हैं, ताकि हर उम्र के लोगों के लिए यह त्योहार खास बन सके। जेंट्स भी 'चांदी भंडार' के एक्सक्लूसिव 'अमोघ' कलेक्शन का भी रुख कर सकते हैं। भाइयों और प्रियजनों को शानदार उपहार देने के लिए इसमें सिल्वर एक्सेसरीज़ की एक विस्तृत रेंज मौजूद है, जिसमें ट्रेंडी चेन, पेंडेंट, अंगूठियां और ब्रेसलेट शामिल हैं। इसके साथ ही, चांदी भंडार 92.5 स्टर्लिंग सिल्वर ज्वेलरी की भी एक बड़ी रेंज लाया है, जिसमें खूबसूरत इयरिंग्स, चूड़ियां, अंगूठियां, ब्रेसलेट और पायल शामिल हैं, जो हर किसी के लिए रक्षाबंधन के तोहफे को बेजोड़ बनाते हैं। वहीं, बच्चों के खास पलों को सेलिब्रेट करने के लिए 'ट्रेज़र्स' कलेक्शन में बड़ी ही बारीकी से तैयार किए गए चांदी के आभूषण मौजूद हैं।

ज्वेलरी और पारंपरिक चांदी के बर्तनों से आगे बढ़ते हुए, चांदी भंडार ने अपने लाइफस्टाइल सेगमेंट को भी एक नया रूप दिया है। इसमें सिल्वर-एक्सेंट वाले वाइन ग्लास, बोतलें और बेहद आकर्षक टी-सेट शामिल हैं। इन्हें इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि चांदी के हेल्थ बेनिफिट्स को आपकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जा सके, साथ ही ये एक बेहतरीन गिफ्ट भी साबित हों। इस प्रीमियम रेंज में चांदी की नक्काशी वाली लकड़ी की ट्रे और शानदार लाइफस्टाइल पीसेस भी शामिल हैं, जो आपके घर की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं और किसी भी मौके पर गिफ्ट देने के लिए परफेक्ट हैं। हमारे कल्चर में अपनों के साथ त्योहार मनाना बहुत अहम होता है और रक्षाबंधन हमें उन रिश्तों को और मज़बूत करने का मौका देता है। अपने इस राखी कलेक्शन के जरिए, हम आपके उस जश्न को और भी ख़ास बनाना चाहते हैं।

2013 में स्थापित, 'चांदी भंडार' पूर्वी भारत में 33 स्टोर्स के साथ ओडिशा की सबसे बड़ी सिल्वर ज्वेलरी चेन है। इसके स्टोर्स भुवनेश्वर (रघुनाथपुर, शहीद नगर, पटिया, रसूलगढ़, जनपथ, सौभाग्य नगर, खंडगिरी, नयापल्ली, लुईस रोड, चंद्रशेखरपुर), खुर्दा, कटक (कैंटोनमेंट रोड, सीडीए कटक, लिंक रोड), राउरकेला (उदित नगर, राउरकेला टाउन), अंगुल (अमलापड़ा, गांधी मार्ग स्क्वायर), जाजपुर, बरहमपुर, बालासोर, बोलांगीर, झारसुगुड़ा, नयागढ़, सुंदरगढ़, बरगढ़, ढेंकनाल, तालचेर, बारीपदा, भद्रक, पुरी और रायपुर (वीआईपी रोड और पंडरी) में हैं।

महतारी वंदन से सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति : सीएम साय

रायपुर, 23 अगस्त। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी द्वारा लिखित पुस्तक 'महतारी वंदन अभिनंदन' का विमोचन किया। दो भागों में प्रकाशित इस पुस्तक में महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों, उनके अनुभवों और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों को संकलित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पुस्तक के प्रकाशन पर पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल देने के साथ उनके आत्मविश्वास और परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका को भी मजबूत किया है। यह योजना महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली राशि उनकी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है। अनेक महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, पोषण, स्वास्थ्य, घरेलू आवश्यकताओं और बचत के लिए कर रही हैं। नियमित रूप से अपने खाते में राशि मिलने से महिलाओं में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का भाव मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी जनकल्याणकारी योजना की वास्तविक

सफलता उसके लाभार्थियों के जीवन में दिखाई देने वाले परिवर्तन से मापी जाती है। 'महतारी वंदन अभिनंदन' में योजना से जुड़ी महिलाओं के अनुभवों को सामने लाने का प्रयास किया गया है। इस तरह की पुस्तकें शासन की योजनाओं के सामाजिक प्रभाव को समझने के साथ भविष्य के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बनती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना प्रारंभ की गई। योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है। योजना की 30 किश्तों के माध्यम से अब तक लगभग 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास और आजीविका के माध्यम से उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि इसमें महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं के अनुभवों और उनकी संवेदनाओं को शब्द दिए गए हैं। किसी योजना का वास्तविक प्रभाव जानने के लिए हितग्राहियों के बीच जाकर उनसे संवाद करना और उनके जीवन में आए बदलावों को समझना आवश्यक होता है।

श्रीमती रजवाड़े ने कहा कि गांव-गांव जाकर महिलाओं से मिलना, उनके अनुभवों को समझना, योजना से उनके जीवन में आए परिवर्तन का आकलन करना और फिर उन अनुभवों को पुस्तक के रूप में संजोना चुनौतीपूर्ण कार्य है। पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी ने इस पुस्तक के माध्यम से महतारी वंदन योजना के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव को जमीनी स्तर पर सामने लाने का सार्थक प्रयास किया है। उन्होंने लेखिका को पुस्तक के प्रकाशन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पुस्तक की लेखिका पत्रकार सुश्री निशा द्विवेदी ने बताया कि 'महतारी वंदन अभिनंदन' के दोनों भागों में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की ऐसी महिलाओं की कहानियों और अनुभवों को स्थान दिया गया है, जिन्हें महतारी वंदन योजना से आर्थिक संबल मिला है। पुस्तक में यह बताने का प्रयास किया गया है कि नियमित आर्थिक सहायता ने महिलाओं की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ उनके आत्मविश्वास और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता को किस प्रकार प्रभावित किया है।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री कृष्णा दास, जनसंपर्क आयुक्त श्री रजत बंसल, श्री गौरी शंकर श्रीवास, सुश्री शताब्दी पांडेय सहित बड़ी संख्या में महिला पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

फर्जी ट्रांसफर आदेश मामले में चार के खिलाफ एफआईआर, विधायक इंद्र साव ने भाजपा पर साधा निशाना

सरकारी कर्मचारी को स्थानांतरण का लाभ दिलाने फर्जी दस्तावेज तैयार करने का आरोप

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 23 अगस्त। जिले के पलारी में फर्जी ट्रांसफर आदेश के जरिए एक सरकारी कर्मचारी को स्थानांतरण का लाभ दिलाने का मामला सामने आया है। मामले में पलारी थाना पुलिस ने भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी, जिला उपाध्यक्ष पुनीराम पटेल, ग्रामीण चिकित्सा सहायक (त्रह्रू) करण कुमार देवांगन और रवि कुमार सेन के खिलाफ स्रढ्ढक्र दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टस्राह्र) कार्यालय के फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल करते हुए कूटरचित दस्तावेज तैयार किया। इसके बाद कथित फर्जी स्थानांतरण आदेश को वास्तविक दस्तावेज बताकर सरकारी कार्यालय में प्रस्तुत किए जाने का आरोप है। मामले में पुलिस ने 21 अगस्त की रात चारों आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामले को लेकर भाटापारा विधायक इंद्र साव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा के कथित चाल, चरित्र और चेहरे पर सवाल खड़ा करने वाला मामला है। विधायक ने आरोप लगाया कि अब अधिकारियों को दबाव में लेने, डराने-धमकाने और फर्जी लेटरपैड व दस्तावेजों के इस्तेमाल जैसी गतिविधियां सामने आ रही हैं।

इंद्र साव ने कहा कि यदि किसी नेता या पदाधिकारी की संलिप्तता जांच में सामने आती है तो पार्टी को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कोई पहला मामला नहीं है और ऐसे कई मामले हैं जो राजनीतिक दबाव के चलते सामने नहीं आ पाते।

डोंगरगढ़ भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष का चयन रायशुमारी से हो, थोपा गया चेहरा नहीं चलेगा

डोंगरगढ़ 23 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भाजपा शहर मंडल डोंगरगढ़ के अध्यक्ष पद को लेकर कार्यकर्ताओं ने खुलकर अपनी राय रखी जाए। कार्यकर्ताओं का स्पष्ट कहना है कि शहर मंडल अध्यक्ष का चयन बंद कमरे में नहीं, बल्कि व्यापक रायशुमारी से होना चाहिए। संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक नए-पुराने, ज्येष्ठ-श्रेष्ठ, सक्रिय और किसी कारण से नाराज चल रहे कार्यकर्ताओं से चर्चा कर ही अंतिम नाम तय किया जाए। थोपने वाला अध्यक्ष शहर मंडल में स्वीकार नहीं होगा। कार्यकर्ताओं ने शहर मंडल अध्यक्ष के लिए ये मापदंड तय किए हैं - 1. मंडल की गरिमा के अनुरूप हो - अध्यक्ष का व्यक्तित्व ऐसा हो जो शहर में भाजपा की प्रतिष्ठा बढ़ाए। 2. सबको साथ लेकर चले - वार्ड से लेकर बूथ तक, युवा मोर्चा से लेकर वरिष्ठों तक सभी को जोड़कर रखने की क्षमता हो। 3. निष्ठा सर्वोपरि - पद नहीं, पार्टी के प्रति समर्पण और विचारधारा के प्रति निष्ठा मुख्य आधार हो। 4. हर वर्ग में स्वीकार्य हो - डोंगरगढ़ शहर की विविधता को समझे और हर समाज, हर वर्ग के कार्यकर्ता को सम्मान दे। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का कहना है कि डोंगरगढ़ शहर मंडल भाजपा का चेहरा है। यहाँ का अध्यक्ष अगर सर्वमान्य और कर्मठ होगा तो आने वाले समय में संगठन और अधिक मजबूत होगा। इसलिए नेतृत्व ऐसा तय हो जो कार्यकर्ताओं द्वारा, कार्यकर्ताओं के लिए चुना गया हो। साथ ही कार्यकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया है कि पार्टी से गद्दारी और चाटुकारिता वाले चेहरे को कार्यकर्ता कतई पसंद नहीं करेंगे।

यादव समाज का अपमान बर्दाश्त नहीं : रमेश यदु

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 23 अगस्त। सर्व यादव समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु ने पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता अजय चंद्राकर के 'यादवी संघर्ष' और यादव समाज के विनाश से संबंधित कथित बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की टिप्पणी यादव समाज की भावनाओं के विपरीत है और संपूर्ण यादव समाज इसकी घोर निंदा करता है। उन्होंने कहा कि यदि अजय चंद्राकर के बयान से यादव समाज की भावनाएं आहत हुई हैं, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से अपनी बात स्पष्ट करते हुए समाज से माफी मांगनी चाहिए। यदु ने कहा कि समाज के सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। रमेश यदु ने प्रदेश के सभी यादव समाज के संगठनों से अपील की कि वे एकजुट होकर शीघ्र संयुक्त बैठक

आयोजित करें और इस विषय पर सामूहिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा में यादव समाज से जुड़े जनप्रतिनिधियों की ओर से इस विषय पर अब तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आना दुर्भाग्यपूर्ण है। रमेश यदु ने कहा कि यदि बयान को लेकर माफी नहीं मांगी जाती है, तो आने वाले समय में यादव समाज लोकतांत्रिक तरीके से अपनी नाराजगी व्यक्त करेगा और समाज के सम्मान के लिए आवाज बुलंद करेगा। भीकम यादव, सुदामा यादव, देवनारायण यादव, रामचंद्र यादव, नत्थू लाल यादव, विजय यादव, राकेश यादव, हरीश यादव, अशोक यादव, दिनेश यादव, श्रीमती धानमती यादव, गीता यादव, किरण यादव, गोविंद यादव, काशुराम यादव, जितेंद्र यादव सहित अन्य समाज प्रमुखों ने भी अजय चंद्राकर के कथित बयान की निंदा की है।

दुख में न घबराएं, सकारात्मक सोच से जीवन को उत्सव बनाएं: अक्षय मुनि जी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद 23 अगस्त। संत कबीर जी बहुत गहरा बोलते हैं जो व्यक्ति गहराई में गया उसका आनंद ही हो जाता है सिर्फ किताबी भाषा, मोबाइल की भाषा ,गूगल की भाषा, दिल्ली की भाषा में जो फंसा है वह फंसा ही रह जाएगा। हर प्रांत, देश की भाषा विविध है। मांगने से भगवान नहीं मिलते बल्कि मांगने से और दूर हो जाते हैं, मांगना एक बीमारी है। व्यक्ति को कभी दूसरों की ऊंचाइयों में बाधा नहीं बनना चाहिए, यदि तुमने ऐसा किया तो तुम्हारे साथ भी तुम्हारा ग्रोथ प्रगति रुक जाएगा। सृष्टि का खेल है जैसा करोगे वैसा पाओगे। हमारी जड़े गहरी होनी चाहिए धर्म के आराधक बने समता के साधक बने। परमात्मा के दास सजगता व यतना से ही बन सकते हैं। बदलती दुनिया के साथ मस्ती में चलना होगा ,मनुष्य जीवन अनमोल है नहीं तो दो कौड़ी का है। मानव की जिंदगी का पलड़ा भारी है कर्मों के ऊपर भगवान या तीर्थंकर का भी अधिकार नहीं है।कर्म जिसका है उसी के पीछे चलता है । व्यक्ति को स्वयं का स्टेटस पर ध्यान रखना चाहिए। सिर्फ संपत्ति, जमीन जायदाद की ओर ध्यान नहीं होना चाहिए, दया करुणा के साथ आगे बढ़े, हर पल नकारात्मक विचार नहीं करो स्वीकार करने का मन होना चाहिए ,वही महान व विराट बनता है। धर्म सभा में शासन दीपक अक्षयमुनीजी मसा ने समता भवन बालोद में कहीं। जैन संत श्री अक्षयमुनिजी मसा ने आगे कहा की दुख तो राम, कृष्ण, महावीर, बौद्ध, सीता ,अंजना सभी के जीवन में आए हैं। इंसान को दुख में नहीं घबराना चाहिए, तभी महान आदमी बन सकते हैं। जिंदगी की दो धारा सकारात्मक और नकारात्मक हमेशा चलती रही है ,रहेगी, हमें उपयोग करना आना चाहिए । कर्तव्य से नहीं घबराना जिसकी जितनी समझ है वह अपना उत्तरदायित्व निभाएं। भगवान राम ने कर्तव्य निभाया पिता का वचन पूरा करने वनवास गए। कृष्ण ने प्रेम की बांसुरी बजाई। जीवन हमारा भव्य है नदिया पावन सरिता है । व्यक्ति सिर्फ अहंकार में जी रहा है गलती करना मानव का स्वभाव है। संसार की रीति-रिवाज ऐसी है। व्यक्ति की आदत है दूसरे पर अपनी कमजोरी डालना सच को स्वीकार करें । जीवन का भाग इसी को ही बना ले । रस, आनंद अंदर छिपा हुआ है । आदमी सिस्टम का आदर करें, जो सिस्टम तोड़ता है वैसे व्यक्ति का समाज में कोई काम नहीं है। सिस्टम पर समर्पित होने से ही समाज महकता है। जिंदगी को एक उत्सव की तरह लेना जिंदगी आनंदित होती चली जाएगी । नहीं। शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी मसा की प्रेरणा से त्याग तपस्या का संकल्प प्रतिदिन लिया जा रहा है ,इस कड़ी में आज श्रीमती काजल नाहर ने 26, शर्मिला बाफना ने 25, स्नेहल लोढा, प्रिया श्रीश्रीमाल ने 23, नमिता नाहटा 20, ईशा तातेड ने 19, दीक्षा जैन सुपुत्री प्रभाकर जैन 11, , निष्ठा रतनबोहरा ने 8, श्रीमती हेतल गोलछा 7, काजल राखेचा छुरिया 6, कु. भूमि बुरड़ 6 तपस्या उपवास का संकल्प मुनि श्री से ग्रहण किया। धर्म सभा में आज छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों धमधा ,छुरिया, रायपुर , भिलाई , दुर्ग सहित विभिन्न क्षेत्रों से धर्म प्रेमी बंधु जैन मुनि के दर्शन व प्रवचन सुनने आए थे।

सामाजिक सद्भाव कांवड़ यात्रा का छतौना में भव्य स्वागत

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 23 अगस्त। सावन के पवित्र माह में सामाजिक सद्भाव विशाल कांवड़ यात्रा का आज दूसरे दिन गांव नारा से कावड़ यात्रा विधायक एवं मंत्री गुरु खुशवंत साहेब अत्यधिक कावड़ियों की भीड़ के साथ छतौना पहुंचने पर ग्रामीणों ने बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे - मनखे एक समान के जयघोष के साथ पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। माता कौशल्या की नगरी चंदखुरी से बाबा बागेश्वरनाथ की नगरी आरंग तक चल रही यह यात्रा सामाजिक एकता, समानता और मानवता की अलख जगा रही है। इस कावड़ यात्रा का आरंग विधानसभा के अनेक ग्रामीणों ने जिस रस्ते से कावड़ निकल रही है वहां जोशीला स्वागतवकर रहेचाए छतौना की पावन धरती पर उमड़ा जनसैलाब इस बात का प्रतीक है कि सद्भाव की भावना हर दिल में बसती है और एकता की शक्ति समाज को मजबूत बनाती है।

जिला स्तरीय बौध्दिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता में शामिल हुए मधुसूदन यादव

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 23 अगस्त। लाल बहादुर नगर - सरस्वती शिशु मंदिर के तीन दिवसीय जिला स्तरीय बौध्दिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता नगर पंचायत लाल बहादुर नगर में किया जा रहा है. जिसका शुभारंभ राजनांदगांव के पूर्व सासंद मधूसुदन यादव ने किया।

श्री यादव ने बच्चों को खेल भावना से खेलने के लिए शपथ दिलाया और कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। श्री यादव के सामने शिशु मंदिर के प्राचार्या ढालचंद यादव जी ने स्कूल भवन विस्तार के लिए मांग किया जिसे अतिशीघ्र पुरा करने का आश्वासन श्री यादव जी ने दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री एवं उपस्थित सभी आचार्य जी एवं बच्चों ने श्री यादव जी का केक काट कर जन्मदिन मनाया और उन्हें सभी उपस्थित सदस्यों ने जन्मदिन की बधाई शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष देवेन्द्र साहु ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष मनोज कांडे, जिला पंचायत सभापति प्रशांत कोढ़ापे, वरिष्ठ नेता राजेंद्र तिवारी,जिला भाजपा मंत्री श्रीमती प्रीति ताम्रकार, नगर पंचायत उपाध्यक्ष छबीधर साहु, मंडल महामंत्री हेमलाल वर्मा,ब्लाक कबड्डी संघ अध्यक्ष रामाधार ओझा, नगर पटेल हुकुमचंद साहु, वरिष्ठ नेता वेदराम ताम्रकार,युवा नेता देवेन्द्र यादव (देबु) सहित नगर पंचायत के सभी पार्षदगण, मंडल के पदाधिकारी, सभी आचार्य जी,दीदी जी, प्राचार्य एवं बच्चें, नगरवासी उपस्थित रहें।

महिलाओं ने केसरीनंदन में मनाया सावन उत्सव

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 23 अगस्त। सावन माह के शुभ अवसर पर कालकापारा वार्ड नंबर 8, 9,10 व 11 की माता बहनों के द्वारा फ्रेंडस क्लब के तत्वाधान में केसरीनंदन लॉन में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमे महिलाओं द्वारा सावन के गीत, संगीत,नृत्य सहित अन्य मनोरंजक प्रस्तुति दी गयी! इस अवसर डोंगरगढ़ विधायिका श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल कार्यक्रम में शामिल हो कर सावन माह के महत्व व पर्यावरण के संरक्षण के विषय में सन्देश दिया गया। सावन उत्सव के दौरान अंजली शेंडे,राखी सहारे,प्रभा सहारे,निधी गजभीये,भारती चौधरी,नंदा सरजारे ,सुषमा सहारे,रुपाली जोसेफ चेतनाअंकिता,पायल विश्वकर्मा,संचिता लाउत्रे,राखी लाउत्रे, चांदनी सहारे, सपना विश्वकर्मा,अंजलि शेंडे,मेघा मोटघरे,सुधा शारदा राउतकर,दिव्या धानी मोटघरे,काजल डोंगरे, किरण डोंगरे,शिवागी शेन्डे,अर्चना बहेकार,कविता बहेकार,सुनिता मेश्राम,दिव्या राखी चौधरी,वैष्णवी,छोटी लाऊत्रे, निशा लाऊत्रे एवं निभा मोटघरे साथ ही समस्त फ्रेंड्स क्लब महिला समूह के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तुष्टिकरण के लिए राष्ट्रीय गीत पूरा नहीं गाएगी कांग्रेस

राजनीति तब सफल मानी जाती है जब कोई राजनीतिक दल एक के बाद कई चुनाव जीतता है और राजनीति तब असफल मानी जाती है जब कोई राजनीतिक एक के बाद एक कई चुनाव हारता जाता है और उसके निकट भविष्य में कोई चुनाव जीतने की उम्मीद नहीं बची रहती है। जीतने वाले दल को मालूम रहता है कि उसे चुनाव जीतने के लिए क्या करना है।उसके पास पांच साल समय रहता है जीतने के लिए बहुत कुछ करने को और वह करता भी है इसलिए सत्तारूढ़ दल के जीतने की उम्मीद ज्यादा रहती है और कोई काम न करने के कारण विपक्ष के जीतने की उम्मीद कम रहती है।ऐसे में विपक्ष चुनाव जीतने के लिए कुछ न कुछ ऐसा करता है जिससे उसको उम्मीद रहती है कि मैं ऐसा करूंगा तो जीतने की उम्मीद रहेगी।कांग्रेस ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो अपने नेता राहुल गांधी के कारण चुनाव हार जाती है,लेकिन वह उन्हें बदल नहीं सकती इसलिए वह नए नए उपाय सोचती है कि ऐसा करने पर कांग्रेस चुनाव जीत सकती है।राष्ट्रीय गीत पूरा नहीं गाने का फैसला इसी तरह का उपाय माना जा रहा है। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को पूरा गाने को लेकर कांग्रेस का वर्तमान का विरोध तब विवाद का विषय बना जब कांग्रेस मुख्यालय में इसके गायन के दौरान ऐसा कुछ हुआ जिसको लेकर कहा गया कि कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय गीत का अपमान किया गया है। इस पर कांग्रेस की तरफ सफाई दी गई लेकिन विवाद थमा नहीं जब गोवा व केरल में भी पूरा राष्ट्रीय गीत नहीं गाया गया और कांग्रेस अध्यक्ष एम खरगे ने कहा कि गोवा मे उन्होंने वही गाया जो राष्ट्रवादी नेताओं महात्मा गांधी,सरदार वल्लभभाई पटेल,अटल बिहारी वाजपेयी ने गाया था।इस मौके पर खरगे ने यह तर्क भी दिया कि यदि उन्होंने जितना वंदे मातरम गाया है वह अपराध है तो उन नेताओं के खिलाफ भी मामले दर्ज किए जाने चाहिए जिन्होंने इसे उसी तरह गाया। मैंने वही किया जो पिछले ८० वर्षों से हो रहा है।कांग्रेस अध्यक्ष देश के बड़े नेताओं की आड़ लेकर अपनी गलती को सही बताना चाह रहे हैं लेकिन राष्टीय गीत के सम्मान का कानून बन जाने के बाद माना तो यह जाएगा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने कानून की जानकारी होते हुए भी कानून का पालन नहीं किया और राष्ट्रीय गीत का अपमान किया है।

इससे साफ हो जाता है कि कांग्रेस राष्ट्रीय गीत को लेकर राजनीति करना चाहती है।राष्ट्रीय गीत के मात्र दो पद गाना इस देश की परंपरा रही है कांग्रेस इस परंपरा को सही बताना चाहती है यानी राष्ट्रीय गीत का सम्मान वह जितना करती आई है उतना ही करेगी। भाजपा ने वंदे मातरण के १५० वर्ष पूरे होने पर देश भर में ७ नवंबर २०२५ से ७ नवंबर २०२६ तक समारोह आयोजित करने का फैसला किया और साथ ही इसे पूरा गाने के लिए और इसका अपमान रोकने के लिए अगस्त २०२६ को कानून भी बनाया है। इस कानून के तहत राष्ट्रीय गीत का अपमान करने व इसके गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध हो गया है। ऐसा करके भाजपा ने अपने आपको राष्ट्रवादी पार्टी साबित किया और यही कांग्रेस को पसंद नहीं आ रहा है कि भाजपा उससे ज्यादा राष्ट्रवादी पार्टी कैसे हो सकती है इसलिए वह अपनी परंपरा की बात कर, पुराने नेताओं की बात कर खुद का सही साबित करने का प्रयास कर रही है और खुद को भाजपा से ज्यादा राष्ट्रवादी साबित करने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस बता रही है कि २८ अक्टूबर १९३७ को कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में तय हुआ था कि वंदे मातरम के शुरू के दो छंद गाए जाएंगे,तब से यही गाया जा रहा है।वह यह नहीं बता रही है कि १८९६ से लेकर १९३६ तक कांग्रेस के सभी अधिवेशनों में वंदे मातरम के पूरे छंद गाए जाते थे। कट्टर सांप्रदायिक और भारत विभाजन की मांग करने वाले मुस्लिम लीग दवाब में वंदेमातरम के दो पद गाने का फैसला किया गया।यह शुध्द रूप से मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए किया गया और आड़ ली गई गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर की कि उनके सुझाव पर ऐसा किया गया। यह नहीं बताया जाता है कि गुरुदेव ने यह सुझाव तब दिया था जब पं.नेहरू सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि जिन पंक्तियों पर मुस्लिमों का आपत्ति है,हमे हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए उस पर जोर नहीं देना चाहिए।सच तो यह माना जाता है कि गुरुदेव को हिंदू-मुस्लिम एकता के नाम पर राजी किया गया था। आजादी के समय कांग्रेस की जो मानसिकता थी, वह कभी बदली नहीं इसलिए आजादी के बाद भी वह ग़ाष्ट्रवादी पार्टी होने पर गर्व करते हुए राष्ट्रीय गीत को जो सम्मान देश में मिलना था, उसे देने के लिए सोचा नहीं। भाजपा तो वह काम खुशी खुशी करती है जो काम कांग्रेस आजादी के बाद नहीं कर सकी है,इससे भाजपा को मौका मिलता है खुद को कांग्रेस को ज्यादा राष्ट्रवादी साबित करने और भाजपा चूकती नहीं है। पीएम मोदी की राजनीति में राष्ट्रवाद भी एक ऐसा मुद्दा जिसके कारण भाजपा को कांग्रेस से ज्यादा वोट मिलता है।हर चुनाव के पहले भाजपा इसे मुद्दा बनाती है, इस बार भी अगले साल होने वाले कई चुनावों में यह मुद्दा रहेगा।कांग्रेस कमजोर है मुस्लिम वोट न मिलने के कारण इसलिए वह सोचती है कि यूपी के चुनाव में उसे इसी आधार पर वोट मिल सकता है कि उसने वंदे मातरम के पूरा गायन का विरोध किया।वह मान रही है कि वंदे मातरम का अपमान करने पर उसे अपना मुस्लिम वोट बैंक वापस मिल सकता है।कांग्रेस के लिए यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि वह तो आजादी के पहले और आजादी के बाद भी ऐसा करती रही है। वह अपने फायदे की सोच रही है,देश के बारे मे नहीं सोच रही है। यही फर्क है आज भाजपा और कांग्रेस में।

सू- दोकू क्र.138

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.137 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य -138

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्सबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■	14		■	15				
16		■	■		■	■		■
17			18		■	19		■
	■	■		■	20	■	■	21
22				■	23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक137 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

विश्लेषण

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

तनवीर जाफ़री

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात Gen Z के छिड़े घमासान के बीच Gen Z को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा,रोज़गार,पारदर्शिता,जवाबदेही,भ्रष्टाचार,लोक तंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फ़िल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा । इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। ग़ौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को 'गटर जनरेशन' कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि "Gen Z के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी ज़िंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है।" कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे "उल्टी आने जैसा" व्यवहार क़रार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि "यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं।" कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं? कंगना रनौत के इस बयान की ख़ासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के 'गटर जेनरेशन' वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये । रामदेव ने कहा कि "उनकी क्वालिफ़िकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-ज़ी को 'गटर' बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग़ की निशानी है। यह ग़लत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए।" हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आख़िर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज़ उठाने की हिम्मत जुटाई ? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का 'मौसम विज्ञानी ' भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये ? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े ? दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरुआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि "जब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फ़िल्म स्टार भी थी और एक 'ड्रग एडिक्ट' भी थी।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरुआती दिनों में उनके एक 'मेंटॉर' जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीज़ें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को 'ख़तरनाक' बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत ग़लत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि "मेरी ज़िंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ़ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी ज़िंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ़ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी ख़तरनाक हूँ! " कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज़ 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं।वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये। और प्रश्नों की उसी शब्दावली के अनुरूप ही कंगना ने भी रामदेव पर सीधा व्यक्तिगत प्रहार करते हुये कहा कि "बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में आप दिन में सपने मत देखिए। कोई सिर्फ़ अफ़वाहों और गॉसिप के आधार पर ही ऐसा अंदाज़ा लगा सकता है।" कंगना ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की ओर इशारा करते हुये कहा कि "कम से कम मुझे कभी झूठे या फ़र्ज़ी मेडिकल दावों के लिए सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी है। मेरे दावे हमेशा ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं, न कि किसी अफ़वाह पर।" कंगना ने बाबा रामदेव को करारा जवाब देते हुए कहा, "इसलिए आप मुझे चरित्र का पाठ मत पढ़ाइए। मेरा चरित्र आपसे कहीं ज़्यादा बेहतर है, यहां कोई धोखाधड़ी/ गॉड नहीं पकड़ी गई है।" कंगना द्वारा रामदेव इसतरह के शब्द बाण भी अकारण नहीं छोड़े गये। इसके पीछे रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ विभिन्न अदालतों विशेषकर सुप्रीम कोर्ट और सरकारी प्राधिकरणों द्वारा की गई कई गंभीर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाइयां शामिल हैं। कभी सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को उन सभी दवाओं और उत्पादों के विज्ञापन और ब्रांडिंग करने से पूरी तरह रोक दिया, जो 'ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954' के तहत प्रतिबंधित बीमारियों को पूरी तरह ठीक करने का दावा करते थे कभी कोर्ट में लिखित आश्वासन देने के बावजूद भ्रामक विज्ञापन जारी रखने पर कोर्ट ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। कभी कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाज़िर होने का आदेश दिया और उनकी क़ानूनी टीम को कड़ी फटकार लगाई। तो कभी उन्होंने अदालत में बिना शर्त माफ़ी मांगी अदालत ने "महज़ दिखावा" कहकर ख़ारिज कर दिया था। यहाँ तक कि कड़े अदालती रुख़ के बाद पतंजलि को देश के प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में बड़े आकार में सार्वजनिक माफ़ीनामा प्रकाशित करना पड़ा। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि रामदेव व उनका व्यवसाय भी दूध का धुला नहीं। कुल मिलाकर कंगना रानौत हों या रामदेव दोनों ही अपने उज्जवल भविष्य के लिये चिंतित व संघर्षरत देश की युवा पीढ़ी के लिये आदर्श नहीं हो सकते न ही इनकी नसीहत या आलोचना युवाओं के पतन या उत्थान का कारण बन सकती है। हाँ युवा पीढ़ी के बहाने इनके बीच चले वाक्युद्ध से यह ज़रूर साफ़ हो गया है कि जिनके अपने घर शीशे के हों उन्हें दूसरों के घरों पत्थर हरगिज़ नहीं फेंकना चाहिये।

चार साल से कम उम्र के बच्चों की इन दवाओं पर प्रतिबंध

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर वैश्विक स्तरपर किसी भी देश के लिए केवल सरकार बनाना, सत्ता का संचालन करना और विकास की योजनाएं घोषित करना ही पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सुशासन की कसौटी तब सामने आती है,जब सरकार जनहित से जुड़े उन क्षेत्रों में भी लगातारनिगरानी कठोर नियमन और समयबद्ध निर्णय ले, जहां एक छोटी- सी प्रशासनिक चूक किसी नागरिक की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।स्वास्थ्य और दवाओं की सुरक्षा ऐसा ही अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है।विशेष रूप से छोटे बच्चों के मामले में सरकार,दवा निर्माता चिकित्सक,फार्मासिस्ट और अभिभावक,सभी की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है।इसी व्यापक जनहित और बाल सुरक्षा की दृष्टि से 22 अगस्त 2026 को केंद्र सरकार द्वारा चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाले कुछ फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन पर कड़ा नियामक कदम उठाना महत्वपूर्ण माना जा सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि सरकार के इस निर्णय का मूल उद्देश्य किसी सामान्य सर्दी-जुकाम को लेकर भय पैदा करना नहीं,बल्कि छोटे बच्चों में ऐसी दवाओं के अनावश्यक अथवा अनुचित उपयोग से संभावित जोखिम को कम करना है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन दोनों सक्रिय घटकों को मिलाकर बनाए गए फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन के संबंध में विशेषज्ञ स्तरपर विचार किया गया और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड यानी की सिफारिशों के बाद चार वर्ष से कम आयु के बच्चों में इनके उपयोग को लेकर प्रतिबंधात्मक व्यवस्था लागू की गई।इसके साथ निर्माताओं के लिए लेबल, पैकेजिंग,दवा के साथ उपलब्ध सूचना तथा प्रचार सामग्री पर स्पष्ट आयु-संबंधी चेतावनी देना अनिवार्य किया गया है कि चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसी दवा नहीं दी जानी चाहिए। यह व्यवस्था इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि दवा की सुरक्षा केवल डॉक्टर के कमरे तक सीमित विषय नहीं है; दवा की बोतल और पैकेट पर लिखी स्पष्ट जानकारी भी रोगी सुरक्षा की पहली पंक्ति बन सकती है। साथियों, मीडिया में जानकारी के अनुसार क्लोरफेनिरामाइन एक एंटीहिस्टामिन दवा है, जिसका उपयोग एलर्जी और सर्दी-जुकाम से जुड़े कुछ लक्षणों में किया जाता रहा है।दूसरी ओर फिनाइलएफ्रिन एक डिकंजेस्टेंट के रूप में नाक बंद होने और जकड़न जैसे लक्षणों को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इन घटकों का संयोजन कुछ सर्दी-जुकाम तथा ऊपरी श्वसन तंत्र से संबंधित लक्षणों वाली दवाओं में मिलता रहा है। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि किसी दवा का वयस्कों या बड़े बच्चों में इस्तेमाल होना अपने आप यह सिद्ध नहीं करता कि वही दवा बहुत छोटे बच्चों के लिए भी समान रूप से उपयुक्त होगी। बच्चों का शरीर विकसित हो रहा होता है, उनका वजन, चयापचय, अंगों की कार्यप्रणाली और दवाओं के प्रति प्रतिक्रिया उम्र के साथ बदलती है। इसलिए बाल चिकित्सा में दवा की मात्रा, संयोजन और उपयोग की उपयुक्तता को अलग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखना आवश्यक होता है।यही वह बिंदु है जहां सरकार का नया कदम केवल एक दवा पर लगाया गया प्रतिबंध नहीं, बल्कि 'रेगुलेटरी प्रीकॉशन' यानी संभावित जोखिम को पहले ही नियंत्रित करने की नीति का उदाहरण बन जाता है। यदि किसी विशेष आयु वर्ग के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं और विशेषज्ञ समितियां किसी संयोजन के संभावित जोखिम की ओर संकेत करती हैं, तो नियामक संस्था का दायित्व बनता है कि वह बाजार में उपलब्ध दवाओं के उपयोगr को स्पष्ट नियमों के माध्यम से सुरक्षित बनाए। खासकर चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के संदर्भ में सावधानी का स्तर अधिक होना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आयु वर्ग में माता-पिता अक्सर बच्चे के लक्षणों को देखकर स्वयं दवा देने का प्रयास कर सकते हैं। यहां 'सर्दी-जुकाम सामान्य बीमारी है' जैसी सोच कभी- कभी गलत आत्मविश्वास पैदा कर सकती है।

साथियों, अभिभावकों के लिए भी यह निर्णय एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया है,बच्चे को दवा देना घरेलू अनुमान का विषय नहीं होना चाहिए। विशेष रूप से चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बिना चिकित्सकीय सलाह के सर्दी-जुकाम, खांसी, एलर्जी या नाक बंद होने की दवा देना जोखिमपूर्ण हो सकता है। अभिभावकों को दवा की पैकेजिंग पर दी गई आयु संबंधी चेतावनी पढ़नी चाहिए, दवा की मात्रा स्वयं तय नहीं करनी चाहिए और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा को निर्धारित मात्रा तथा अवधि के अनुसार ही देना चाहिए। यदि किसी दवा के लेबल पर चेतावनी दी गई है या बच्चे की उम्र के लिए उपयोग सीमित है, तो उसे नजरअंदाज करना बिल्कुल उचित नहीं है।यहां स्वास्थ्य जागरूकता और डिजिटल युग की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आज अभिभावक इंटरनेट और सोशल मीडिया से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तेजी से प्राप्त करते हैं, लेकिन हर ऑनलाइन सलाह चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित नहीं होती।किसी परिचित ने किसी बच्चे को कोई दवा दी और उसे फायदा हुआ इस आधार पर वही दवा दूसरे बच्चे को देना सुरक्षित चिकित्सा पद्धति नहीं है। बच्चे की उम्र, वजन, लक्षण, बीमारी का कारण और अन्य दवाओं के साथ संभावित प्रभाव अलग हो सकते हैं। इसलिए डिजिटल जानकारी को डॉक्टर की सलाह का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। साथियों, सरकार के मौजूदा कदम को पिछले कुछ महीनों में दवा नियमन को लेकर उठाए गए व्यापक प्रयासों की पृष्ठभूमि में भी देखना चाहिए।उपलब्ध जानकारी के अनुसार जून 2026 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 16 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाया था। इसके अतिरिक्त कफ सिरप सहित सिरप को ओवर-द- काउंटर श्रेणी से बाहर करने तथा चिकित्सकीय पर्चे के माध्यम से दवा उपलब्ध कराने से संबंधित नियामक सख्ती का उल्लेख भी सामने आया है। यदि इन कदमों को एक साथ देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि दवा क्षेत्र में सरकार का जोर केवल दवा उपलब्ध कराने पर नहीं, बल्कि दवा कीगुणवत्ता,उपयुक्तता,निगरानी और जिम्मेदार उपयोग पर भी बढ़ रहा है।दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों के मामलों ने इस विषय की गंभीरता को और बढ़ाया है। डायथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले संदूषकों से जुड़े मामलों ने दुनिया को यह याद दिलाया है कि दवा जीवन बचाने का माध्यम है, लेकिन यदि उसके निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण,भंडारण,वितरण या उपयोग में गंभीर लापरवाही हो जाए तो वही दवा जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित विभिन्न स्थानों पर दूषित सिरप से जुड़े बच्चों की मौतों की घटनाओं ने दवा सुरक्षा, गुणवत्ता परीक्षण और नियामक जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। इसलिए दवा सुरक्षा का अर्थ केवल किसी एक सक्रिय घटक पर प्रतिबंध लगाना नहीं,बल्कि उत्पादन से लेकर मरीज तक पहुंचने की पूरी श्रृंखला पर निगरानी स्थापित करना है।

साथियों, यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या केवल केंद्र सरकार के आदेश से दवा सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से 'नहीं' है। भारत जैसे विशाल और संघीय ढांचे वाले देश में केंद्र के साथ राज्यों के औषधि नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्थानीय निरीक्षण तंत्र,अस्पताल, चिकित्सक फार्मासिस्ट और दवा कंपनियां भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।केंद्र सरकार द्वारा जारी निर्देश तभी प्रभावी होंगे जब राज्य स्तर पर उनका कठोर अनुपालन सुनिश्चित हो। मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित या आयु-विशिष्ट दवाओं की बिक्री की नियमित जांच हो, चिकित्सकीय पर्चे की व्यवस्था का वास्तविक पालन हो और नियम तोड़ने वाले निर्माताओं अथवा विक्रेताओं के खिलाफ समय पर सटीकता से कार्रवाई की जाए।

साथियों,इस पूरी व्यवस्था में दवा कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। किसी दवा का उत्पादन केवल इसलिए नहीं किया जाना चाहिए कि बाजार में उसकी मांग है। फार्मास्युटिकल उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ के साथ-साथ मरीज की सुरक्षा होना चाहिए। पैकेजिंग पर चेतावनी को छोटे अक्षरों में औपचारिकता की तरह लिख देना पर्याप्त नहीं होगा। चेतावनी ऐसी भाषा और स्थान पर होनी चाहिए जिसे सामान्य उपभोक्ता आसानी से समझ सके। प्रचार सामग्री में भी ऐसी प्रस्तुति से बचना होगा जिससे अभिभावकों को यह भ्रम हो कि सर्दी-जुकाम की हर दवा बच्चों के लिए स्वतः सुरक्षित है। नियमन का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब कम्प्लायंस कागज से निकलकर व्यवहार में दिखाई दे। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दवा सुरक्षा का मूल सिद्धांत यही है कि बच्चों के लिए दवाओं का उपयोग वैज्ञानिक प्रमाण, आयु- विशिष्ट सुरक्षा और स्पष्ट नियामक निर्देशों के आधारd पर होना चाहिए। विश्वभर में 'पेडियाट्रिक मेडिसिन सेफ्टी' लगातार महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य विषय बन रहा है। भारत जैसे विशाल बाजार में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां दवाओं की उपलब्धता व्यापक है और लाखों परिवार स्वास्थ्य संबंधी निर्णय स्वयं लेने की स्थिति में होते हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी केवल प्रतिबंध जारी करना नहीं, बल्कि जनजागरूकता पैदा करना, निगरानी व्यवस्था मजबूत करना और नियमों के उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई करना भी है। साथियों, इस पूरे घटनाक्रम से सुशासन की एक व्यापक परिभाषा सामने आती है। सुशासन का अर्थ केवल बड़ी परियोजनाएं, डिजिटल सेवाएं या आर्थिक विकास नहीं है। जब सरकार किसी संभावित स्वास्थ्य जोखिम की पहचान करती है, विशेषज्ञों की राय लेती है, तकनीकी सलाहकार बोर्ड की सिफारिशों पर निर्णय करती है, कंपनियों को स्पष्ट चेतावनी देने के लिए बाध्य करती है और बच्चों जैसे संवेदनशील वर्ग को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करती है,तब शासन का मानवीय पक्ष सामने आता है। जनता सरकार से यही अपेक्षा करती है कि वह संकट के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय संभावित संकट को पहले पहचानकर रोकने की क्षमता विकसित करे।फिर भी इस दिशा में आगे की राह लंबी है। केवल एक-दो दवाओं या कुछ एफडीसी पर कार्रवाई से दवा सुरक्षा की समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। देश को निरंतर फार्माकोविजिलेंस, मजबूत गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं, तेज नमूना परीक्षण, राज्य औषधि नियंत्रण तंत्र में पर्याप्त मानव संसाधन, डिजिटल ट्रैकिंग और दवा निर्माताओं की जवाबदेही को और मजबूत करना होगा। संदिग्ध दवाओं की पहचान और बाजार से वापसी की प्रक्रिया भी तेज तथा पारदर्शी होनी चाहिए। यदि किसी दवा के कारण गंभीर प्रतिकूल प्रभाव सामने आते हैं, तो उनकी रिपोर्टिंग और जांच की व्यवस्था आम नागरिक के लिए भी सरल होनी चाहिए।

साथियों, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दवा सुरक्षा को केवल स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मानने की मानसिकता बदलनी होगी। यह सरकार,नियामक संस्थाओं डॉक्टरों,फार्मासिस्टों दवा कंपनियों, अस्पतालों और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाले एफडीसी को लेकर केंद्र सरकार का मौजूदा कदम इसी साझा जिम्मेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नियामक संदेश है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति कामूल्यांकन इस बात से नहीं होना चाहिए कि उसने कितनी दवाएं बाजार में उतारीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि उसने अपने नागरिकों को सुरक्षित दवा उपलब्ध कराने के लिए कितनी मजबूत व्यवस्था बनाई। छोटे बच्चों की सुरक्षा के मामले में 'पहले सावधानी, फिर उपचार' का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एक नजर

नाबालिग को बहला-फुसलाकर दुष्कर्म करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

कांकेर, 23 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के चारामा थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आज शनिवार को आरोपी युगल किशोर रजक को गिरफ्तार किया है। चारामा पुलिस ने कार्यवाही उपरांत आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। आरोपी पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता की मां ने 25 जून को चारामा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी नाबालिग बेटी 24 जून की सुबह करीब 10 बजे स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 135/26 दर्ज कर बीएनएस की धारा 137 (2) के तहत विवेचना के दौरान नाबालिग को 28 जून को बरामद कर पीड़िता से पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि आरोपी युगल किशोर रजक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। बयान के आधार पर पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 87, 64(2) (ड), 64(1), 65 (1) के साथ पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 जोड़ी गई। घटना के बाद से आरोपी युगल किशोर रजक, निवासी कंडेल, थाना चारामा, फरार चल रहा था। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। आखिरकार 22 अगस्त को पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पोलमपल्ली में ग्रामीणों ने सूचना एवं चेतावनी पट्ट लगाया, नहीं होगा धर्मांतरण

सुकमा, 23 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के पोलमपल्ली ग्राम पंचायत में आयोजित विशेष ग्राम सभा में गांव की पारंपरिक व्यवस्था, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक सौहार्द से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किए। इसके बाद ग्राम सभा के निर्णयों को सार्वजनिक करने के लिए गांव में सूचना एवं चेतावनी पट्ट लगाया गया है। सूचना पट्ट में कहा गया है कि ग्राम सभा की पूर्व अनुमति के बिना गांव की सीमा में धार्मिक सभाएं, प्रचार-प्रसार और धर्मांतरण से संबंधित गतिविधियां नहीं की जा सकेंगी। पादरियों, इसाई मिशनरी संस्थाओं और प्रचारकों के गांव में प्रवेश तथा घर-घर प्रचार के लिए भी ग्राम सभा को पहले सूचना देकर अनुमति लेना अनिवार्य बताया गया है। विशेष ग्राम सभा में जनजातीय रीति-रिवाज, पारंपरिक आस्था, संस्कृति और सामाजिक पहचान के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। ग्रामीणों ने गांव में शांति और सामाजिक एकता बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता जताई है। ग्राम सभा के प्रस्ताव में कहा गया है कि स्थानीय व्यवस्था या ग्राम सभा के निर्णयों का उल्लंघन होने पर नियमानुसार प्रशासन को सूचना दी जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की मांग की जाएगी। बैठक में पेसा अधिनियम, 1996 के तहत ग्राम सभा को प्राप्त अधिकारों और जिम्मेदारियों पर भी चर्चा हुई। ग्रामीणों को ग्राम सभा की भूमिका और सामुदायिक हितों से जुड़े निर्णयों के बारे में जानकारी दी गई। पोलमपल्ली के जनपद पंचायत सदस्य मड़कम भीमा ने बताया कि विशेष ग्राम सभा का उद्देश्य गांव की परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकता को सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा कि सूचना पट्ट के जरिए ग्राम सभा के फैसलों को सार्वजनिक किया गया है, ताकि गांव में शांति, सौहार्द और आपसी सम्मान की भावना बनी रहे।

वन्य प्राणियों से बचाव के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

- भालू से घर को सुरक्षित रखने नागरिकों को दी गई सलाह

- तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर 23 अगस्त। कांकेर शहर एवं ग्रामीण अंचलों में वन्य प्राणी भालू, तेंदुआ की आमद को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा हेल्पलाईन नम्बर-90988-39898 तथा 74890-10658 जारी किया गया है,। नागरिकगण उक्त हेल्पलाईन नंबर पर फोन कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

जिला प्रशासन द्वारा भालुओं से सुरक्षा एवं बचाव के लिए नागरिकों से अपील की गई है कि अपने घर, मंदिर, सार्वजनिक पूजा स्थलों के आसपास कचरे के साथ खाद्य सामग्री न फेंके तथा कचरें को फेंकने के लिए कुड़ेदान का उपयोग करें। घरेलू भोजन वन्य प्राणियों के आहर का हिस्सा नहीं है। आपके द्वारा फेकी या छोड़ी गई खाद्य पदार्थ के कारण वन्य प्राणी भालू शहर व गांव में आ जाते हैं। फेंकी गई भोज्य पदार्थ जंगली जानवर के रहवासी क्षेत्र में पहुंचने का कारण बनता है तथा धीरे-धीरे वह क्षेत्र में आने वन्य प्राणियों से बचाव के लिए हेल्पलाईन नम्बर जारीऔर रहने का आदि हो जाते हैं। खाद्य पदार्थ पन्नी, कागज अथवा प्लास्टिक में लपेटे होते हैं जिसे खाने से जंगली जानवर बीमार भी पड़ सकते हैं। जंगली जानवरों को जानबूझकर या गलती से खाना खिलाना उनके स्वास्थ्य के लिए और लोगों के जीवन के लिए भी हानिकारक हो सकती है। शांत वन्य प्राणी भी आक्रमक हो सकते हैं, जो लोगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

वन विभाग द्वारा नागरिकों से अपील करते हुए कहा गया है कि वन्य प्राणियों को निकलने के लिए पर्याप्त रास्ता छोड़े और उसके नजदीक न जाएं। वन्य प्राणियों को खाना खिलाना, खिलाने का प्रयास करना, उसे भगाना, पीछा करना, वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 का उल्लंघन है। अगर रहवासी क्षेत्र में कोई जंगली जानवर दिखाई देता है तो इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दें। इसके लिए मोबाईल नम्बर 90988-39898 तथा 74890-10658 से सम्पर्क किया जा सकता है।

भालुओं से घर को सुरक्षित रखने के आसान उपाय

वन्य प्राणी (भालू) से घर को सुरक्षित रखने के लिए सबसे पहले घर के मुख्य दरवाजा को मजबूत करें। भालू घर के आसपास भोजन की गंध महसूस करेगा तो कमजोर दरवाजा एवं किवाड़ को धक्का देकर खोल सकता है। अपने घरों के बाउंड्री वाल, दीवार की ऊंचाई 7 से 8 फीट रखें, जो भालू को घरों में प्रवेश करने से रोक सकते हैं। भोजन को घर के अंदर सुरक्षित रखें। महुआ, गुड़, फल, मिठाई, पका हुआ भोजन, मांस, मछली, अनाज के खुले बोरे इत्यादि को सुरक्षित रूप से भंडारित करें। घर के आंगन में स्थित मंदिरों के सामने तेल लगे दीये व प्रसाद खुले में न छोड़ें, दीया बुझने के बाद इसे सुरक्षित अंदर रख लें और मंदिर का दरवाजा, खिड़की मजबूती से बंद करें। कचरे की व्यवस्था बदलें, घर के बाहर खुली बाल्टी में बचे हुए खाद्य सामग्री रखना भालू को घर तक बुलाने जैसा है। भोजन के बचे हुए हिस्से को भी रात में बाहर न छोड़ें। खुले में कूड़ा न फेंकें, फल तथा सब्जी के सड़े हुए अवशेष घर के बाहर न रखें, मजबूत ढक्कन वाले डस्टबीन का उपयोग करें, कचरे को नियमित रूप से घर से बाहर निर्धारित कचरा शेड तक पहुंचाएं। यदि घर में पालतू पशु- गाय, बकरी, सूअर, मुर्गियां इत्यादि हों तो उन्हें घर के खुले बरामदे में न रखें। बकरी एवं मुर्गियों के लिए लोहे की मजबूत जाली वाला घर बनाना बेहतर होगा। घर के चारों तरफ साफ-सुथरा रखें तथा घर से लगे हिस्से में घनी झाड़ियों कांटा, पेड़ों के नीचे गिरे फल को पड़े न रहने दें। रात में प्रकाश की व्यवस्था घर के सामने और पीछे लगाना उपयोगी हो सकता है।

शहीद सुभाष नायक बस स्टैंड बना नगर के शराबियों का अड्डा

करोड़ों की लागत से बना बस स्टैंड बदहाल, टूटी छत-झाड़ियां और शराब की खाली बोतलें बनी पहचान

राजकुमार कोण्डागुरला

बासागुड़ा/बीजापुर 23 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिस निर्माण का उद्देश्य आम जनता को बेहतर यातायात सुविधा देना था, वही आज सरकारी उपेक्षा की तस्वीर बनकर रह गया है। बीजापुर जिले के बासागुड़ा में स्थित शहीद सुभाष नायक बस स्टैंड इन दिनों अपनी बदहाली को लेकर चर्चा में है। जहाँ यात्रियों की चहल पहल होनी चाहिए थी वहां वीरानी पसरा है।बस स्टैंड परिसर की हालत देखकर सवाल उठ रहा है कि आखिर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार किए गए ऐसे सार्वजनिक निर्माणों की जिम्मेदारी किसकी है?

उल्लेखनीय है कि शाहिद सुभाष नायक बस स्टैंड को देखकर व्यवस्था की बदहाली खुद बयां कर रही हैं। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह प्लास्टिक की बोतलें, शराब की खाली बोतलें, डिस्पोजल और कचरा बिखरा हुआ दिखाई देता है। आसपास घनी झाड़ियां और उगी हुई वनस्पतियां परिसर के रखरखाव की पोल खोल रही हैं। बस स्टैंड ऐसा नजर आ रहा हैं, कि मानो वर्षों पुराने बने भवन और शेड अपने उद्घाटन के इंतजार में जर्जर होने को मजबूर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ना यहां कोई बस रुकती है और ना ही यहां सफाई और देखरेख की कोई व्यवस्था है।

बस स्टैंड या शराबियों का अड्डा: जिस परिसर में यात्रियों की चहल-पहल होनी चाहिए थी, वहां आज वीरानी पसरी है। स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी सामने आ रहा है कि बस स्टैंड का उपयोग नियमित यात्री परिवहन के बजाय शराब पीने और असामाजिक गतिविधियों के लिए होने लगा है। परिसर में मिली बड़ी संख्या में खाली बोतलें और अन्य कचरा इस स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

बस स्टैंड के आसपास बने भवन और दुकानों की हालत भी जर्जर नजर आ रही है। दीवारों पर सीलन और गंदगी, छतों की खराब स्थिति तथा चारों तरफ उगी झाड़ियों से साफहै कि लंबे समय से इस सार्वजनिक संपत्ति की सुध नहीं ली गई।

सात साल से इंतजार में बस स्टैंड: स्थानीय लोगों के मुताबिक, निर्माण के बाद से अब तक यह बस स्टैंड नियमित रूप से उपयोग में नहीं आ सका है। यदि यह दावा सही है कि निर्माण के वर्षों बाद भी यहां से नियमित बस संचालन शुरू नहीं हुआ, तो यह अपने आप में सरकारी योजना और निर्माण की उपयोगिता पर बड़ा सवाल है।

सवाल यह है कि जब जनता के टैक्स के पैसे से बस स्टैंड बनाया गया तो उसका उपयोग सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया? क्या निर्माण के बाद विभाग ने इसकी उपयोगिता, संचालन और रखरखाव की समीक्षा की? यदि बसों का संचालन ही नहीं होना था तो इतनी बड़ी राशि खर्च कर निर्माण कराने का औचित्य क्या था?

कागजों में विकास, जमीन पर बदहाली: बीजापुर में विकास कार्यों को लेकर लगातार बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। सोशल मीडिया, सरकारी कार्यक्रमों और प्रचार माध्यमों में विकास की तस्वीरें दिखाई जाती हैं। लेकिन बासागुड़ा का यह बस स्टैंड उन दावों के सामने एक अलग तस्वीर पेश करता दिखाई दे रहा है।

एक तरफ विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, दूसरी तरफउन्हीं परिसंपत्तियों का रखरखाव नहीं हो पाता। ऐसे में सवाल केवल एक बस स्टैंड का नहीं, बल्कि सरकारी निर्माण कार्यों की योजना, उपयोगिता, गुणवत्ता और रखरखाव की पूरी व्यवस्था का है।

जनता के टैक्स के पैसे का हिसाब कौन देगा: सरकारी भवन और सार्वजनिक सुविधाएं सिर्फ निर्माण कर देने से उपयोगी नहीं हो जातीं। उनकी नियमित देखरेख, संचालन और जनता को वास्तविक लाभ मिलना भी उतना ही जरूरी है।

बासागुड़ा बस स्टैंड को देखकर सवाल उठता है : क्या जनता के टैक्स का पैसा सिर्फनिर्माण कार्य पूरा करने के लिए खर्च किया जाएगा या उस निर्माण का लाभ भी जनता तक पहुंचेगा? क्या जिम्मेदार विभाग मौके का निरीक्षण कर बस स्टैंड को उपयोगी बनाने की कार्ययोजना तैयार करेगा?

क्या परिसर की सफाई, मरम्मत और सुरक्षा की जिम्मेदारी तय होगी: और क्या लंबे समय से अनुपयोगी पड़े इस बस स्टैंड के निर्माण एवं रखरखाव पर खर्च हुई राशि की समीक्षा की जाएगी? बासागुड़ा के लोग अब सिर्फ जवाब नहीं, बस स्टैंड को वास्तव में शुरू होते और जनता के काम आते देखना चाहते हैं। वरना शहीद सुभाष नायक के नाम पर बना यह बस स्टैंड आने वाले दिनों में भी सरकारी उपेक्षा और अधूरे विकास की एक और मिसाल बनकर रह जाएगा।

जिला प्रशासन संज्ञान लेकर बस स्टैंड का संचालन करें: शंकरैया माड़वी

इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माड़वी ने दैनिक तरुण छत्तीसगढ़ टीम से बातचीत में बताया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में यह निर्माण कार्य किया गया है, जिसमें जमकर भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी जांच होनी चाहिए। वहीं बस स्टैंड का औचित्य बना रहे इसके लिए जिला प्रशासन को संज्ञान लेकर बस स्टैंड का संचालन किया जाना चाहिए, ताकि करोड़ों रुपए की लागत से बने इन भवनों और शेड से लोगों को सुविधा मिल सके।

जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन का जिला पंचायत सीईओ ने किया निरीक्षण

कांकेर, 23 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में ग्रामीण अंचलों तक शुद्ध और पर्याप्त पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से 'जल जीवन मिशन' के कार्यों का सतत निरीक्षण जारी है। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी ने ग्राम कुरूष्टिकुर एवं ग्राम कानागांव का दौरा कर नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों ग्रामों में जल आपूर्ति की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यहां उच्च स्तरीय जलागार (पानी टंकी) के माध्यम से ग्रामीणों के घरों तक निर्बाध रूप से पेयजल पहुंच रहा है। पानी को रोगाणुमुक्त और पीने योग्य बनाने के लिए टंकी में क्लोरीनेटर स्थापित किया गया है। गांव के पंप ऑपरेटर द्वारा नियमित और व्यवस्थित रूप से जल वितरण प्रणाली का संचालन किया जाना पाया गया। ग्राम कानागांव निरीक्षण के दौरान सौर ऊर्जा (सोलर पंप) के माध्यम से ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल की उपलब्धता पाई गई। जिला पंचायत सीईओ श्री मंडावी ने जल आपूर्ति को और अधिक मजबूत करने तथा टंकी को पूर्ण क्षमता से भरने के लिए नए पंप स्थापित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ज्ञात हो कि जिला प्रशासन द्वारा जल जीवन मिशन के तहत हर घर में समय पर और गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके।

उसूर के दूरस्थ गांवों में पहुंची विकास की बात, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने जानी ग्रामीणों की समस्याएं

- जहां कभी था नक्सलियों का आतंक, आज वहां बेहतर भविष्य और लोकतंत्र की नई उम्मीद : शंकरैया माड़वी

- तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 23 अगस्त। जिले के उसूर विकासखंड के ग्राम मारुड़बाका, लिंगापुर, नेलाकांकेर एवं भुसापुर में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा एवं जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माड़वी ने ग्रामीणों से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं, मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

भ्रमण के दौरान ग्रामीणों को वीबी-जी राम जी योजना सहित सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही यह भी जानकारी ली गई कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सुचारु रूप से पहुंच रहा है या नहीं। ग्रामीणों से योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति जानी गई तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि विकास की मुख्यधारा से दूर रहे अंतिम व्यक्ति तक भी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माड़वी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी नक्सलवादियों का भय और आतंक व्याप्त था, वहां आज विकास, विश्वास और लोकतंत्र की नई उम्मीद दिखाई दे रही है। ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान, सुरक्षा की भावना और बेहतर भविष्य का विश्वास इस सकारात्मक बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। शासन की योजनाएं ग्रामीणों के जीवन में बदलाव लाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा तेलम, जनपद पंचायत सदस्य सरोजनी सीपी, भाजपा मंडल अध्यक्ष तीरथ जुमार,भाजपा संगठन मंत्री एर्रन्ना अनमुल, हरे कृष्ण मुंड, विजय चापा, सुधीर पद्मम, दुर्गा प्रसाद पत्तेंगी एवं अशोक कोरसा सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अंतागढ़-मद्रासीपारा मुख्य सड़क की मरम्मत से मिली राहत

कांकेर 23 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दैनिक समाचार पत्र में 'अंतागढ़-मद्रासीपारा मुख्य सड़क की बदहाली से लोगों को हो रही परेशानी' शीर्षक से प्रकाशित समाचार पर कलेक्टर श्री कुंदन कुमार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए लोक निर्माण विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके परिपालन में लोक निर्माण विभाग (भ/स) भानुप्रतापपुर द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सड़क की आवश्यक मरम्मत करा दी गई है। उक्त सड़क की मरम्मत होने से क्षेत्र के रहवासियों एवं राहगीरों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

पीएमजीएसवाय में भुगतान अटका, सड़क निर्माण ठेकेदार परेशान

- निरस्तीकरण तो बहाना है, ठेकेदारों को निशाना बनाना है
- जांच का जिन्न बाहर आता है, रिपोर्ट फिर कुंभकरण की नींद सो जाती है!
- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में कई शिकायत, हर बार आश्वासन; भुगतान अब भी लंबित

- तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 23 अगस्त। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बीजापुर जिले में पूर्ण हो चुके सड़क निर्माण कार्यों के भुगतान को लेकर ठेकेदारों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। ठेकेदारों का आरोप है कि नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में जोखिम उठाकर गुणवत्तापूर्ण सड़कें बनाने के बाद भी उन्हें भुगतान के लिए विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं, पूर्ण हो चुके कार्यों के निरस्तीकरण को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतकर्ता के अनुसार सड़क निर्माण कार्य निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरा किया जा चुका है, बावजूद इसके संबंधित भुगतान अब तक जारी नहीं हुआ है। भुगतान अटकने से निर्माण में लगी पूंजी, मजदूरी, मशीनरी और सामग्री की लागत का बोझ ठेकेदारों पर बढ़ता जा रहा है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत, फिर भी समाधान नहीं: भुगतान को लेकर शिकायतकर्ताओ ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर कई बार शिकायत किए जाने का दावा किया है। एक शिकायतकर्ता के अनुसार हर बार कार्रवाई और समाधान का आश्वासन मिला, लेकिन जमीनी स्तर पर भुगतान की समस्या अब भी जस की तस बनी हुई है।

ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब कार्य पूर्ण हो चुका है और भुगतान के लिए लगातार शिकायतें की जा रही हैं, तो आखिर भुगतान किस स्तर पर अटका हुआ है?

निरस्तीकरण तो बहाना है, ठेकेदारों को निशाना बनाना है: ठेकेदारों का आरोप है कि पूर्व में पदस्थ कार्यपालन अभियंता द्वारा गुणवत्तापूर्ण बताई जा रही सड़कों के निरस्तीकरण की कार्रवाई की गई। आरोप है कि प्रारंभिक स्तर पर उच्च अधिकारी की अनुमति के बिना निरस्तीकरण आदेश जारी किया गया और मामला सामने आने के बाद आनन-फानन में अनुमति लेने की प्रक्रिया अपनाई गई।

ठेकेदारों का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया से यह आशंका पैदा होती है कि निरस्तीकरण को भुगतान रोकने और ठेकेदारों पर दबाव बनाने के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारी एवं विभाग का पक्ष सामने आना बाकी है।

गलत को इनाम, सही को सजा—अफसरशाही का कैसा मजा: ठेकेदारों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि जिन अधिकारियों पर कथित गलत कार्रवाई के आरोप लगाए जा रहे हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई के बजाय उन्हें संरक्षण अथवा प्रशंसा मिलने की बात कही जा रही है। दूसरी ओर, जिन ठेकेदारों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जान जोखिम में डालकर सड़क निर्माण कराया, वे भुगतान के लिए कार्यालय, विभाग और न्यायालय के चक्कर लगाने को मजबूर होने का आरोप लगा रहे हैं। ठेकेदारों का सवाल है–जिसने जोखिम उठाकर सड़क बनाई, उसे भुगतान के लिए परेशान क्यों किया जा रहा है?

भुगतान में देरी से बढ़ रहा कर्ज का बोझ

सड़क निर्माण में ठेकेदारों को सामग्री, मजदूर, मशीनरी, परिवहन और अन्य संसाधनों पर भारी राशि खर्च करनी पड़ती है। ऐसे में काम पूरा होने के बाद भुगतान लंबित रहने से आर्थिक दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं कर्ज का बोझ अलग से बढ़ रहा है।

ठेकेदारों का कहना है कि यदि कार्य पूर्ण है, तो भुगतान की प्रक्रिया स्पष्ट की जानी चाहिए। यदि किसी कार्य में तकनीकी अथवा गुणवत्ता संबंधी आपत्ति है, तो उसकी जांच की रिपोर्ट और जिम्मेदारी भी सार्वजनिक होनी चाहिए।

जांच पर जांच होती रही, रिपोर्ट जाने कहां खोती रही: पीएमजीएसवाय की सड़कों को लेकर जांचों के नाम पर कई बार अधिकारियों के बीजापुर आने की बात भी सामने आती रही है। ठेकेदारों का आरोप है कि जांच तो होती है, लेकिन जांच का परिणाम या रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होती। इसी को लेकर एक ठेकेदार ने तंज कसते हुए कहा कि जांच का जिन्न बाहर आता है, रिपोर्ट फिर कुंभकरण की नींद सो जाती है!

ठेकेदारों ने मांग की है कि अब तक हुई सभी जांचों की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और यदि किसी सड़क में गुणवत्ता संबंधी खामी पाई गई है तो संबंधित रिपोर्ट और कार्रवाई की जानकारी सामने रखी जाए।

30 मार्च को मिला फॉरेस्ट क्लियरेंस, फिर तेज हुआ काम: ठेकेदारों के अनुसार इंद्रावती नेशनल पार्क सह इंद्रावती टाइगर रिजर्व, पामेड़ अभ्यारण्य सहित अन्य क्षेत्रों में सड़क निर्माण के लिए आवश्यक वन विभाग की अनुमति 30 मार्च 2026 को प्राप्त हुई। उनका कहना है कि वन अनुमति मिलने में देरी के कारण कई कार्य प्रभावित हुए और अनुमति मिलने के बाद निर्माण कार्य में तेजी लाई गई। समय में कार्य पूरा करने का प्रयास किया गया। ऐसे में अब कार्य का भुगतान रोकने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

नक्सल प्रभावित इलाके में जान जोखिम में डालकर बनाई सड़कें: ठेकेदारों का कहना है कि बीजापुर के कई इलाकों में वर्षों तक नक्सली समस्या के बीच सड़क निर्माण करना आसान नहीं था। सुरक्षा बलों और पुलिस प्रशासन के सहयोग से जोखिम उठाकर निर्माण कार्य किए गए। ठेकेदारों के मुताबिक, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में काम करने के दौरान सुरक्षा, परिवहन, मशीनरी और श्रमिकों की उपलब्धता जैसी अनेक चुनौतियां थीं। इसके बावजूद सड़क निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया गया। अब जब क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने की बात हो रही है, तब ठेकेदारों का भुगतान लंबित होना उनके लिए चिंता का विषय बन गया है।

सड़क बनी, लेकिन बिल भुगतान की राह में 'निरस्तीकरण' की दीवार: ठेकेदारों का आरोप है कि कार्य पूर्ण होने के बाद जब बिल भुगतान की मांग की गई तो उन्हें सड़क निरस्तीकरण की बात कहकर भुगतान रोक दिया गया। यही कारण है कि अब ठेकेदार सीधे सवाल उठा रहे हैं कि यदि सड़क में गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामी थी तो निर्माण के दौरान निगरानी और जांच की जिम्मेदारी किसकी थी?

यदि सड़क वास्तव में गुणवत्तापूर्ण नहीं थी तो उसकी तकनीकी जांच रिपोर्ट क्या कहती है? और यदि सड़क गुणवत्तापूर्ण है तो फिर निरस्तीकरण किस आधार पर किया गया?

शिकायतकर्ताओ ने विभागीय लापरवाही और मिलीभगत की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद भी भुगतान आखिर किस स्तर पर अटका है? निरस्तीकरण की कार्रवाई का वास्तविक आधार क्या है? और यदि कार्रवाई गलत पाई जाती है तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी? बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास कार्यों को जमीन पर उतारने वाले ठेकेदारों की शिकायतों पर शासन-प्रशासन कब तक संज्ञान लेता है और लंबित भुगतान को लेकर क्या निर्णय लिया जाता है, अब निगाहें इसी पर टिकी हैं। सड़क बनाने वाले परेशान, फाइलें घूमती रहीं–अब जवाबदेही तय होगी या मामला फिर जांच की फाइलों में दब जाएगा।

बड़े सवाल जिनका जवाब जरूरी

- पूर्ण हो चुके सड़क कार्यों का भुगतान आखिर क्यों लंबित है?
- निरस्तीकरण आदेश किस प्रक्रिया के तहत जारी किया गया?
- क्या निरस्तीकरण से पहले आवश्यक उच्चस्तरीय अनुमति ली गई थी?
- अब तक हुई जांचों की रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की गई?
- वन अनुमति मिलने में हुई देरी को भुगतान अथवा निरस्तीकरण के मामले में कितना महत्व दिया गया?
- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जोखिम उठाकर काम करने वाले ठेकेदारों को भुगतान के लिए क्यों भटकना पड़ रहा है।

इस संबंध में कार्यपालन अभियंता रूपेन्द्र कुमार भुआर्य के दूरभाष नंबर पर संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया है। विभागीय अधिकारी के बयान मिलते ही उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

जल संचय जन भागीदारी 2.0 में रायगढ़ की बड़ी उपलब्धि

31,157 जल संरक्षण कार्यों में से 29,947 कार्य पूर्ण, 1,210 कार्य प्रगतिरत, वीबी-जीराम जी एवं मनरेगा के माध्यम से 1,332 जल संरक्षण कार्यों को मिला विशेष बल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 अगस्त। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल संवर्धन को जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में रायगढ़ जिले ने जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) 2.0 के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 27 मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जिले में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा कुल 31,157 जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्य दर्ज किए गए हैं। इनमें से 29,947 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 1,210 कार्य प्रगतिरत हैं। यह उपलब्धि जिले में जल संरक्षण के प्रति विभागीय समन्वय, ग्राम स्तर पर कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनभागीदारी की मजबूत भावना को प्रदर्शित करती है।

वीबी-जीराम जी और मनरेगा से जल संरक्षण को मिला बल

ग्राम स्तर पर जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए वीबी-जीराम जी एवं मनरेगा के माध्यम से कुल 1,332 जल संरक्षण कार्य लिए गए हैं। इनमें वीबी-जीराम जी के अंतर्गत 757 कार्य तथा मनरेगा के अंतर्गत 575 कार्य शामिल हैं। इन कार्यों में 509 रिचार्ज पिट/सोक पिट, 92 लूज बोल्डर चेक डैम, 66 वर्षा जल संचयन संरचनाएं, 55 तालाब गहरीकरण/सफाई से संबंधित कार्य, 36 ट्रेंच एवं जल अवशोषण खाई कार्य, 32 गैबियन संरचनाएं, 21 अर्थन गली प्लग, 36 सैंड फिल्टर फॉर बोरवेल, 251 पौधरोपण तथा अन्य जल संरक्षण एवं हरित विकास कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अजीविका डबरी के 114 कार्य, नाला सफाई के 66 कार्य, नावा तरिया के 23 कार्य, परकोलेशन टैंक, खुले कुएं, कच्ची नाली एवं अन्य संरचनात्मक कार्य भी जल संरक्षण की व्यापक रणनीति का हिस्सा रहे हैं। इन कार्यों के माध्यम से वर्षा जल को गांवों में अधिक से अधिक रोकने, भू-जल पुनर्भरण बढ़ाने, जल स्रोतों की क्षमता एवं उपयोगिता बनाए रखने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है।

अब जेएसजेबी 3.0 में रायगढ़ का नया संकल्प

जेएसजेबी 2.0 की उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए अब रायगढ़ जिला जेएसजेबी 3.0 जल संचयन जन भागीदारी-कैच द रेन अभियान में भी सक्रिय रूप से भागीदारी करेगा। जेएसजेबी 3.0 के अंतर्गत जिले में केवल नई जल संरचनाओं के निर्माण पर ही नहीं, बल्कि पूर्व में निर्मित जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं प्रभावी उपयोग, वर्षा जल के अधिकतम संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा जल स्रोतों की दीर्घकालिक सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस चरण में ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय जल आवश्यकता एवं जल उपलब्धता के आधार पर कार्यों की पहचान कर तालाब, डबरी, नाला, कुआं, जल संचयन एवं रिचार्ज संरचनाओं के संरक्षण और सुधार को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही जल संरक्षण को ग्रामीण आजीविका, कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किया जाएगा।

हर बूंद का संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण

रायगढ़ जिला जेएसजेबी 3.0 के माध्यम से कैच द रेन की भावना को गांव-गांव तक पहुंचाते हुए जल संरक्षण को केवल विभागीय गतिविधि न रखकर जनभागीदारी का स्थायी अभियान बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगा। जेएसजेबी 2.0 में हासिल उपलब्धियों के आधार पर अब जेएसजेबी 3.0 में रायगढ़ का लक्ष्य स्पष्ट है। हर बूंद को सहेजना, हर जल स्रोत को संवारना और हर गांव को जल सुरक्षा की ओर बढ़ाना। जल संरक्षण के इन प्रयासों में ग्राम पंचायतों, ग्रामीणों, महिला समूहों, युवाओं, किसानों एवं विभिन्न विभागों की सहभागिता से रायगढ़ जिले में जल जीवन एवं जल संरक्षण की मजबूत आधारशिला तैयार की जाएगी।

विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी: जेएसजेबी 2.0 के अंतर्गत जिला पंचायत, वन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, उद्योग विभाग, नगरीय निकाय एवं जल संसाधन विभाग सहित विभिन्न विभागों ने जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रिपोर्ट के अनुसार जिला पंचायत द्वारा सर्वाधिक 22,906 कार्य दर्ज किए गए, जिनमें 21,929 कार्य पूर्ण हैं। वन मंडल रायगढ़ द्वारा 3,971, वन मंडल धरमजयगढ़ द्वारा 2,342, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 1,185, नगर निगम द्वारा 328 तथा जल संसाधन विभाग के रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ संभाग द्वारा क्रमशः 92 एवं 102 कार्य दर्ज किए गए।

एक नजर

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल, रक्षाबंधन पर पूरी हो रही छोटी-छोटी खुशियां

धमतरी, 23 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पर्व है। इस पावन अवसर से पहले महतारी वंदन योजना की राशि मिलने से धमतरी जिले की महिलाओं के चेहरों पर खुशी की मुस्कान खिल उठी है। राज्य शासन की यह पहल महिलाओं के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और परिवार की आवश्यकताओं में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का मजबूत आधार बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए ऐसी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिनका सीधा लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रहा है। धमतरी जिले के मुजगहन गांव की मंजू यादव के लिए इस बार रक्षाबंधन का पर्व खास खुशियां लेकर आया है। महतारी वंदन योजना की राशि मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए मंजू कहती हैं, इस बार रक्षाबंधन पर अपने लिए साड़ी खरीदूंगी। उनके चेहरे की खुशी बताती है कि नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के जीवन में किस तरह छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरा करने का अवसर दे रही है। वे बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग वे अपनी जरूरतों के साथ-साथ परिवार की आवश्यकताओं में भी करती हैं।

धमतरी में इस वर्ष 81000 किसानों ने कराया फसल बीमा

धमतरी, 23 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति धमतरी जिले के किसानों का विश्वास लगातार मजबूत होता जा रहा है। खरीफ2026 में जिले के 80,920 किसानों ने 84,277.75 हेक्टेयर क्षेत्रफल का फसल बीमा कराया है, जो पिछले पांच वर्षों में सर्वाधिक आंकड़ा है। यह उपलब्धि न केवल योजना की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है, बल्कि किसानों में जोखिम प्रबंधन के प्रति बढ़ती जागरूकता का भी प्रमाण है। पिछले वर्ष खरीफ 2025 में 71,572 किसानों ने 75,977.28 हेक्टेयर क्षेत्रफल का बीमा कराया था। इस वर्ष इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें 9,348 अधिक किसानों ने योजना का लाभ लेते हुए अपनी फसलों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। यह वृद्धि दर्शाती है कि किसान अब प्राकृतिक आपदाओं और अनिश्चित मौसम से होने वाले नुकसान के प्रति अधिक सतर्क और जागरूक हो रहे हैं। यदि पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2022 में 68,425, वर्ष 2023 में 73,264, वर्ष 2024 में 72,081, वर्ष 2025 में 71,572 तथा खरीफ2026 में 80,920 किसानों ने फसल बीमा कराया है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि इस वर्ष जिले में फसल बीमा के प्रति किसानों की भागीदारी में उल्लेखनीय उछाल आया है, जो प्रशासनिक प्रयासों और जनजागरूकता अभियानों की सफलता को दर्शाता है।

दक्षता बढ़ाने के लिए शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

गढ़उमरिया, डूमरमुड़ा और छातामुरा संकुल के 22 शिक्षक हुए शामिल, कमजोर बच्चों के लिए उपचारात्मक शिक्षण पर भी जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 अगस्त। बच्चों की बुनियादी शैक्षणिक दक्षताओं को मजबूत करने और प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से पुसौर विकासखंड के प्राथमिक शाला बोदाटिकरा में शनिवारिय बैठक-सह-प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। 22 अगस्त शनिवार को संयुक्त संकुल गढ़उमरिया, डूमरमुड़ा और छातामुरा के प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा तीसरी, चौथी और पांचवीं में गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री भुवनेश्वर पटेल ने बताया कि प्रशिक्षण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 के उद्देश्यों, बच्चों में गणितीय क्षमता विकसित करने तथा मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को कक्षा-कक्ष की गतिविधियों के माध्यम से हासिल करने पर चर्चा की गई। गणितीय मॉडल और शिक्षण-अधिगम सामग्री के माध्यम से बच्चों की सहभागिता बढ़ाने तथा कठिन अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाने की विधियां बताई गई।

दैनंदिनी के अनुसार हो अध्यापन शासकीय स्कूलों में बढ़े प्रवेश

शिक्षकों को प्रतिदिन दैनंदिनी लेखन करने और उसके अनुसार कक्षा-कक्ष में अध्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने शासकीय विद्यालयों की शिक्षा गुणवत्ता में निरंतर सुधार कर उन्हें विद्यार्थियों और अभिभावकों की पसंद बनाने पर जोर दिया। उन्होंने निजी विद्यालयों की ओर जाने वाले बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराकर अधिक से अधिक संख्या में शासकीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के लिए विशेष प्रयास करने कहा।

कक्षा में सीखने के प्रतिफल पर रहे विशेष ध्यान

विकासखंड शिक्षा अधिकारी भुवनेश्वर पटेल ने शिक्षकों को शाला समय में नियमित एवं समय पर उपस्थित रहने, वीएसके एप पर उपस्थिति दर्ज करने तथा पाठ्यक्रम विभाजन के अनुसार समय पर पाठ्यक्रम पूरा करने कहा। प्रधान पाठकों को नियमित रूप से कक्षाओं की निगरानी करने और बच्चों में कक्षा अनुरूप सीखने के प्रतिफल विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों का सीखने का स्तर अपेक्षित नहीं है, उनके लिए विशेष रूप से उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था की जाए। कक्षा तीसरी से पांचवीं के बच्चों को 20 तक पहाड़ा याद कराने, हिंदी पाठ्यपुस्तक का आदर्श पठन कराने तथा तीन अंकों की संख्याओं के गुणनखंड और भाग की समझ विकसित करने का लक्ष्य दिया गया। कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए बारहखड़ी का नियमित अभ्यास कराने के निर्देश दिए गए। निर्धारित लक्ष्यों को 31 अगस्त तक पूरा करने कहा गया।

बैगलेस दिवस में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

बैठक में प्रत्येक शनिवार को बैगलेस दिवस के दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के निर्देश दिए गए। नवोदय, एकलव्य, प्रयास, राष्ट्रीय साधन-सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति और उत्कर्ष परीक्षा जैसी परीक्षाओं की तैयारी नियमित रूप से कराने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण में तीनों संकुलों से 22 शिक्षक तथा संकुल समन्वयक गुरुदेव गुप्ता, मुरलीधर गुप्ता एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के घनश्याम प्रधान सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को गतिविधि आधारित एवं प्रभावी अध्यापन के लिए तैयार करने के साथ प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों की बुनियादी दक्षताओं को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया गया।

समाचार संक्षेप

नकली व अमानक दवाओं की रोकथाम के लिए सघन निरीक्षण अभियान

12 औषधि प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण 6 नमूने जांच के लिए रायपुर भेजे गए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 23 अगस्त। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार राज्यव्यापी विशेष सघन प्रवर्तन अभियान के तहत जिले में नकली, अमानक एवं संदिग्ध औषधियों के विक्रय तथा अवैध आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संयुक्त निरीक्षण दल धमतरी द्वारा लगातार जांच एवं निरीक्षण की कार्रवाई की जा रही है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं मानक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा औषधि व्यवसाय में निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराना है।

अभियान के दौरान संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा जिले के कुल 12 औषधि प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। राज्य में ष्ट×स्र, डिपो एवं सुपर स्टॉकिस्ट की उपलब्धता के बावजूद औषधि विक्रेताओं द्वारा राज्य के बाहर से खरीदी गई औषधियों के संबंध में विशेष सतर्कता बरतते हुए खरीदी-बिक्री के दस्तावेज, बिल-वाउचर, स्टॉक एवं अन्य अभिलेखों की जांच की जा रही है। इसके साथ ही नारकोटिक एवं साइकोट्रॉपिक औषधियों के क्रय-विक्रय, भंडारण, स्टॉक तथा संबंधित अभिलेखों की भी गहन जांच की जा रही है। औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस सप्ताह कुल 06 औषधि नमूने संकलित किए गए हैं। इनमें Tab. Elmo&-CV 625 LB, Tab. Onco-4, CC-GO DX Cough S4rup 100ml, Bethasulide-P(R), Tab. Mokcan 250 DT एवं Tab. Ofiz 200 शामिल हैं। सभी नमूनों को जांच एवं विश्लेषण के लिए औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त टीम द्वारा औषधि भंडार शासकीय जिला अस्पताल धमतरी, सूर्या मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर्स नारी, गौतम फार्मा धमतरी, लक्ष्मी मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर्स धमतरी, मेहता मेडिकोज धमतरी, रमेश मेडिकल स्टोर्स धमतरी, स्वास्तिक मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर्स धमतरी, कबीर मेडिकल स्टोर्स छाती, दिनेश मेडिकल स्टोर्स प्रा. लिमिटेड धमतरी, गायत्री मेडिकल धमतरी, पवार मेडिकल एजेंसीज धमतरी एवं आरती मेडिकोज धमतरी का निरीक्षण किया गया।

महतारी वंदन की राशि से तारागिरी ने खरीदी राखी, खुशी से मनाएंगी रक्षाबंधन का पर्व

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 अगस्त। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। इस वर्ष रायगढ़ शहर के इंदिरा नगर वार्ड क्रमांक 7 की निवासी तारागिरी गोस्वामी के लिए यह पर्व और भी खास बन गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की महतारी वंदन योजना से प्राप्त इस माह की राशि का उपयोग उन्होंने रक्षाबंधन की तैयारियों और राखी की खरीदारी के लिए किया है। आर्थिक सहयोग मिलने से उनके परिवार में पर्व की खुशियां और बढ़ गई हैं।

तारागिरी गोस्वामी ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत मिली राशि से उन्होंने राखी की खरीदारी की है और अब परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि योजना से मिलने वाली राशि महिलाओं के लिए अपनी आवश्यकताओं और त्योहारों की तैयारियों में उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है। त्योहार के अवसर पर मिली राशि से खरीदारी करने का अवसर मिलने से उनके चेहरे पर खुशी है और वे पूरे उत्साह के साथ रक्षाबंधन मनाएंगी।

तारागिरी ने कहा कि ÷राखी का बंधन, खुशियों का संसार– महतारी वंदन से बहनों को संबल अपार÷। योजना की राशि ने उनके लिए रक्षाबंधन की खुशियों को और यादगार बना दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

जनजातीय कारीगरों के हुनर को मिलेगा व्यापक बाजार ट्राइफेड से जुड़कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जिला प्रशासन की पहल से कारीगरों को मिलेगा बड़ा मंचः सार्वा

धमतरी, 23 अगस्त। जिले के जनजातीय कारीगरों, कलाकारों और उद्यमियों के पारंपरिक हुनर को स्थानीय बाजार से निकालकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के बाजारों से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। जनजातीय कारीगरों को बेहतर बाजार, पहचान, विपणन और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को लाइवलीहुड कॉलेज में एक दिवसीय 'जनजातीय कारीगर सूचीबद्धता मेला' आयोजित किया गया। मेले में जिले के 20 कलाकारों एवं कारीगरों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए। पात्र कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों, वन धन विकास केंद्रों, किसान उत्पादक संगठनों तथा जनजातीय उद्यमियों को ट्राइफेड से सूचीबद्ध होने का अवसर प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने कहा कि जिला प्रशासन की यह पहल जनजातीय कलाकारों को अपनी कला और हुनर प्रदर्शित करने के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराएगी। ट्राइफेड से सूचीबद्ध होने के बाद कारीगरों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों, 'जनजातीय भारत' बिक्री केंद्रों, मेलों तथा विभिन्न विपणन गतिविधियों में भाग लेने के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की महिलाएं, गृहिणी से लखपति दीदी बनने तक सावित्री का सफर

स्व-सहायता समूह से जुड़कर शुरू किया मिट्टी के बर्तन एवं वस्तुएं बनाने का कार्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 23 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका के अवसरों को बढ़ावा दे रही है। ग्रामीण महिलाओं को बचत, ऋण, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़कर उनके हुनर को आजीविका का माध्यम बनाया जा रहा है।

रायगढ़ जिले के गांवों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है, जहां महिलाएं अपने पारंपरिक हुनर और मेहनत के बल पर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। ग्राम पंचायत सियारपाली की निवासी सावित्री राणा की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

समूह से मिला सहारा, ऋण बना कारोबार की नींव

सावित्री राणा कृष्णा स्व-सहायता समूह और जागृति ग्राम संगठन से जुड़ी हैं। बिहान योजना के माध्यम से समूह में नियमित बचत के साथ उन्हें आंतरिक वित्तीय सहयोग और ऋण की सुविधा मिली। आजीविका गतिविधि शुरू करने के लिए उन्होंने आरएफ से 4 हजार रुपये और सीआईएफ से 8 हजार रुपये का सहयोग प्राप्त किया। इसके बाद बैंक से पहली बार 30 हजार रुपये तथा दूसरी बार 20 हजार रुपये का ऋण लेकर अपने कुम्हार व्यवसाय को आगे बढ़ाया। वर्तमान में सावित्री राणा ने बैंक से 1 लाख रुपये का ऋण लिया है, जिसमें से अब केवल 30 हजार रुपये की राशि शेष है। नियमित मेहनत और आजीविका से हुई आय के माध्यम से वे ऋण की अदायगी भी कर रही हैं।

गृहिणी से आत्मनिर्भर महिला बनने का सफर

रायगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सियारपाली की निवासी सावित्री राणा बिहान योजना से जुड़ने से पहले एक सामान्य गृहणी थीं। परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली सावित्री ने स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद बचत की आदत विकसित की। समूह से प्राप्त वित्तीय सहयोग और बैंक ऋण ने उनके लिए आजीविका का नया रास्ता खोला। उन्होंने मिट्टी के दीये, मटके, गमले, गुल्लक सहित विभिन्न उपयोगी एवं सजावटी वस्तुओं का निर्माण शुरू किया। अपने हुनर और मेहनत से सावित्री ने कुम्हारी के पारंपरिक काम को आय का जरिया बना लिया है। आज उनकी मासिक आय लगभग 8 से 9 हजार रुपये तक पहुंच गई है और वे अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

मिट्टी से गढ़ी उम्मीद, हुनर से बढ़ी आमदनी

सावित्री बताती हैं कि कुम्हार का काम उनके लिए केवल रोजगार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का माध्यम बन गया है। वे मिट्टी से अलग-अलग आकार और उपयोग की वस्तुएं तैयार करती हैं। त्योहारों और मांग के अनुसार दीये तैयार करने के साथ मटके, गमले, गुल्लक तथा अन्य वस्तुओं का निर्माण कर उनका विक्रय करती हैं। उत्पादों की बिक्री से प्राप्त आय ने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद की है। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनमें आर्थिक निर्णय लेने का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। पहले जहां वे केवल गृहणी की भूमिका तक सीमित थीं, वहीं अब अपनी आजीविका गतिविधि संचालित कर परिवार की आय में सहभागी बन चुकी हैं।

जिला प्रशासन के प्रयासों से महिलाओं को मिल रहा आजीविका का मंच

रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा बिहान योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। समूहों को वित्तीय सहायता, बैंक ऋण से जोड़ने, कौशल आधारित आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों की बिक्री के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। इन प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं में बचत, स्वरोजगार और उद्यमिता की भावना मजबूत हो रही है।

एक नजर

रक्षाबंधन से पहले बहनों को विष्णु भैया का महतारी वंदन उपहार

रायपुर, 23 अगस्त। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले छत्तीसगढ़ की बहनों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त के रूप में विशेष उपहार दिया है। 7 अगस्त 2026 को जारी 30वीं किस्त के साथ प्रदेश की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 19,444 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रक्षाबंधन से पहले खाते में पहुंची यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ पर्व की खुशियों को और बढ़ाने वाली सौगात बन गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित महतारी वंदन योजना अब महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन चुकी है। योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता सीधे डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस बार पर्व से पहले महतारी वंदन की राशि मिलने से महिलाओं में विशेष उत्साह है। महिलाएं इस राशि से भाई के लिए राखी, मिठाई और उपहार खरीदने के साथ-साथ घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करते हुए रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रही हैं। महिलाओं का कहना है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन की राशि देकर बहनों की खुशियों को दोगुना कर दिया है। उनके लिए यह केवल एक हजार रुपये की मासिक सहायता नहीं, बल्कि अपने छोटे-बड़े फैसले स्वयं लेने का भरोसा और सम्मान का अहसास है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

रायपुर, 23 अगस्त। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज शाम महासमुंद कलेक्ट्रेट में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, खेलकूद एवं कल्याण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आम नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में सड़कों, पुल-पुलियों तथा अन्य निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा स्वीकृत कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क एवं अधोसंरचना से जुड़े कार्यों का सीधा प्रभाव आम लोगों के आवागमन पर पड़ता है, इसलिए निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। सड़कों की मरम्मत के लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी सीधे जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और उपकरणों के मदद से कार्यों को आसान बनाएं। श्री साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था, जलापूर्ति से संबंधित कार्यों तथा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाए रखने, जल स्रोतों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा पेयजल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने के पश्चात सचिवों और सरपंचों की बैठक लेकर उन्हें संचालन की जानकारी दें एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाएं। सभी ग्राम पंचायतों में जून-2027 तक हर घर जल का लक्ष्य पूर्ण करना है। उन्होंने कहा कि बंद पड़े ट्यूबवेल्स को चालू करने के निर्देश दिए।

चूजों से बढ़ेगी ग्रामीण परिवारों की आमदनी

रायपुर, 23 अगस्त। ग्रामीण परिवारों और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए पशुधन विकास विभाग द्वारा बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना' चलाई जा रही है। इस योजना के तहत हितग्राहियों को कम कीमत या निःशुल्क उन्नत नस्ल के चूजे और मुर्गी दाना वितरित किया जाता है, जिससे ग्रामीण अपनी आय बढ़ा सकें। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल के अनुरूप राज्य सरकार ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में सुकमा जिले में पशुधन विकास विभाग द्वारा ग्रामीण परिवारों को कुक्कुट पालन से जोड़ने के लिए निःशुल्क चूजे और दाना वितरित किए गए। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन और पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक डॉ. संदीप इंदुरकर के मार्गदर्शन में गादीरास क्षेत्र के ग्राम मनकापाल, नागलगुंडा, सोनाकूकानार, डोडपाल, कोर्रा और गादीरास में हितग्राहियों को कुक्कुट इकाई के तहत 45-45 चूजे और 10 किलोग्राम दाना निःशुल्क प्रदान किया गया। इस दौरान महिला समूहों की सदस्य भी मौजूद रहीं। निःशुल्क चूजे और दाना मिलने से ग्रामीण परिवारों को घर पर ही कुक्कुट पालन शुरू करने का अवसर मिला है। इससे उन्हें अतिरिक्त आय का साधन मिलेगा और परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। साथ ही, स्थानीय स्तर पर कुक्कुट पालन को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों को उनकी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप रोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। पशुधन विकास विभाग की यह पहल इसी सोच को धरातल पर साकार कर रही है। विभाग द्वारा हितग्राहियों को चूजों के पालन-पोषण, दाने, स्वास्थ्य और देखभाल से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है, ताकि वे कुक्कुट पालन को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ा सकें और इसका स्थायी लाभ प्राप्त कर सकें।

एनएच-130बी फोरलेन निर्माण जल्द होगा शुरू, कलेक्टर ने दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 23 अगस्त। जिले में आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 130 बी के चौड़ीकरण का कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने शुक्रवार को वन, राजस्व एवं लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर इस परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सर्वे सहित अन्य प्रारंभिक प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा करने के कड़े निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री शर्मा ने बताया कि जिले में एनएच 130 बी की सीमा ग्राम खरतोरा से शुरू होकर सारंगगढ़-बिलाईगढ़ जिला सीमा तक विस्तारित है। सड़क चौड़ीकरण के तहत प्रभावित होने वाले गांवों के खसरा नंबरों का प्रकाशन पहले ही राजपत्र में किया जा चुका है।उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि राजपत्र में प्रकाशित प्रभावित खसरा जमीनों के भू-अर्जन हेतु सर्वे का कार्य अविलंब प्रारंभ करें। उन्होंने वन विभाग को सड़क के दोनों ओर स्थित पेड़ों का त्वरित सर्वे करने की जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देशित किया कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान केवल अति-आवश्यक होने पर ही पेड़ों की कटाई की जाए, ताकि पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचे।

गौरतलब है कि रायपुर-बलौदाबाजार-सारंगढ जिले से गुजरने वाली राष्ट्रीय राज मार्ग 130 बी में विभिन्न भारी उद्योगों की स्थापना की गई है। इसमें बलौदाबाजार में सबसे अधिक सीमेन्ट उद्योग स्थापित किया गया है।इन उद्योगों की स्थापना से टू लेन सड़क पर भारी परिवहन का दबाव बना रहता है।सुगम अवगमन हेतु राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा की पहल पर एन एच.130 बी टू लेन को फोर लेन में उन्नयन हेतु प्रस्ताव रखा गया था। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री द्वारा तीन चरणों में 2146 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। जिले मे इस सड़क का करीब 85 किलोमीटर लम्बाई को 4 लेन किया जाएगा। बैठक मे वनमण्डलाधिकारी पंकज कमल,अपर कलेक्टर सीमा ठाकुर सहित सम्बंधित एसडीएम, लोक निर्माण एवं एन एच के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग में फर्जी ट्रांसफर आदेश का खुलासा होने पर 4 आरोपी गिरफ्तार

सीएमएचओ के जाली हस्ताक्षर से फर्जी स्थानांतरण आदेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 23 अगस्त। शासकीय दस्तावेजों में कूटरचना, धोखाधड़ी एवं फर्जीवाड़े के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल मार्गदर्शन में थाना पलारी पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर फर्जी स्थानांतरण आदेश तैयार करने वाले आरोपी ग्रामीण चिकित्सा सहायक सहित कुल 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

डा. पंकज वर्मा खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलारी द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रोहांसी में पदस्थ ग्रामीण चिकित्सा सहायक करण कुमार देवांगन द्वारा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (छ्त्र्लाह्) बलौदाबाजार का एक फर्जी स्थानांतरण आदेश (क्रमांक .एच.एम./ए.आर./2026-27/1359, दिनांक 14/08/2026) प्रस्तुत किया गया था। उक्त आदेश में आरोपी करन कुमार का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोपर (विकासखंड भाटापारा) स्थानांतरण होना दर्शाया गया था। ?जांच में पाया गया कि राज्य संवर्ग के कर्मचारी का स्थानांतरण अधिकार क्षेत्र केवल राज्य शासन के पास है। CMHO कार्यालय द्वारा ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया था तथा आदेश पर अंकित हस्ताक्षर भी पूर्णतः फर्जी व कूटरचित पाए गए।

पुलिस कार्रवाई एवं गिरफ्तारी

शिकायत जांच पर बेईमानीपूर्वक कूटरचित फर्जी दस्तावेज तैयार कर, स्थानांतरण आदेश असली के रूप में प्रस्तुत करना पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध थाना पलारी में अपराध क्र. 347/2026, धारा 318(4), 336(3),337,338,340(2),3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। ?मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पलारी पुलिस द्वारा तत्काल जांच एवं विवेचना कार्रवाई प्रारंभ किया गया, जिसमें फर्जी स्थानांतरण आदेश तैयार कर प्रस्तुत करने वाले आरोपी करण कुमार देवांगन सहित कुल 04 आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा एक राय होकर उक्त अपराध करना स्वीकार किया गया, जिस पर सभी चारों आरोपियों को आज दिनांक 22.08.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण में वैधानिक कार्रवाई एवं विवेचना जारी है।

गिरफ्तार आरोपी

1. करण कुमार देवांगन पिताः लहुर साय देवांगन उम्रः 44 वर्ष निवासी मंगलम कालोनी बलौदाबाजार, थाना सिटी कोतवाली चिकित्सा सहायक, क्काष्ट रोहांसी2. रवि कुमार सेन पिताः नूतन लाल सेन उम्रः 43 वर्ष निवासी कसडोल वार्ड क्र0 04 सिरपुर रोड, एवं ग्राम कटगी थाना कसडोल 3. पुनीराम पटेल पिताः डेरहा राम पटेल उम्रः 51 वर्ष निवासी ग्राम गिरौदपुरी अटल चौक के पास, थाना गिधौरी, चौकी गिरौदपुरी 4. किशना उर्फ कृष्ण कुमार अवस्थी पिताः स्व0 कुंजराम अवस्थी उम्रः 53 वर्ष निवासी ग्राम रिसदा गांधी चौक, थाना सिटी कोतवाली बलौदाबाजार।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 11 चालकों पर 1.25 लाख का जुर्माना

बलौदाबाजार। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम एवं शराबी वाहन चालको पर सख्त कार्यवाही करने हेतु पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों की चेकिंग कर उनके वाहन विधिवत जप्त करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया भी लगातार की जा रही है। इस दौरान चेकिंग अभियान में पुलिस द्वारा ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से चेकिंग कर 11 वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया। पुलिस द्वारा इन सभी 11 प्रकरणों में वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए, इनके वाहन विधिवत जप्त कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

बच्चों ने प्राकृतिक सामग्री से बनाई आकर्षक राखियां

रायपुर 23 अगस्त। बोरिया खुर्द स्थित प्रांजल जीनियस पब्लिक स्कूल में आज बच्चों के द्वारा भाई-बहन के अटूट प्रेम के रिश्ते को मजबूत बनाने और अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए शानदार राखियां बनाकर अपने स्नेह का परिचय दिया छोटे-छोटे बच्चों ने एअर बर्र,चावल, दाल तथा छिलकों से बहुत सुंदर-सुंदर अपने भाइयों के लिए राखी बनाई और अपने प्रेम का परिचय दिया. प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा ने बताया कि हमारे बच्चे हमारे भारतीय संस्कृति को हर रूप में आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं इनके द्वारा सैनिकों को भी हर वर्ष राखी भेजी जाती है तथा यह बनाई हुई रियो को भाइयों को बांधकर विद्यालय में ही रक्षाबंधन का त्यौहार हर वर्ष बड़े प्रेम और उल्लास के साथ मनाया जाता है यहां पर किसी भी प्रकार के धार्मिक भेदभाव की कोई संभावना नहीं होती सभी धर्म के बच्चे अत्यंत प्रेम और निष्ठा के साथ रक्षाबंधन का त्योहार हमारे विद्यालय में हर वर्ष धूमधाम से मनाते हैं

कोहका से निकली भव्य बोल बम कांवड़ यात्रा

■ **श्री सोमनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल, शिव-पार्वती की झांकी रही आकर्षण का केंद्र**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 23 अगस्त। सावन माह की पवित्र बेला में ग्राम कोहका से भगवान श्री सोमनाथ महादेव के जलाभिषेक के लिए भव्य बोल बम कांवड़ यात्रा जिला पंचायत रायपुर की सभापति श्रीमती शैल साहू एवं समाज सेवी महेंद्र साहू के नेतृत्व में निकाली गई। यात्रा में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कांवड़ यात्रा के दौरान भगवान शिव एवं माता पार्वती की भव्य और आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रही। गीत-संगीत और भजनों की धुन पर श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की भक्ति में झूमते हुए यात्रा में आगे बढ़े। श्रद्धालुओं द्वारा पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे लगाए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा विभिन्न स्थानों पर विश्राम करते हुए अपने निर्धारित गंतव्य की ओर आगे बढ़ रही है।इस धार्मिक कांवड़ उनके अगवानी में क्षेत्र की जनता एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव से सभी प्राणियों की रक्षा, क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। यात्रा में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

ग्राम पंचायत सरोरा में मीटर बदलने आवेदन पत्र भरवाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 23 अगस्त। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष तिल्दा नेवरा बलदाऊ साहू , सरोरा मंडल के प्रभार देवेंद्र वर्मा , रतनचंद निषाद , सरोरा मंडल अध्यक्ष हरि मारखंडे सेक्टर प्रभार रेखराम देवांगन, बाके सोनवानी, चंद्रकुमार निषाद, रामेश्वर साहू, दुर्गेश साहू, यशवंत साहू, राकेश डहरिया,दयाचंद चतुर्वेदी, देवेंद्र बघेल, अरविंद डहरिया,, पुष्पेंद्र कुर्रे, लुकेश कुर्रे, ओम प्रकाश, चंद्र कुमार साहू, बालक दास बघेल, दिलीप कुमार साहू, जगन्नाथ यदु, छोटे लाल वर्मा, मुकेश साहू, रामू साहू,आदि कांग्रेसी जन शामिल हुए,कांग्रेसियो बड़ी बिजली दाम वापस लेने तथा स्मार्ट मीटर बदलने हेतु ग्राम पंचायत सरोरा में आवेदन पत्र भरवाया रहे है बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने और बिल काम करने के लिए विरोध/शिकायत आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। जनता का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल कई गुना ज्यादा आ रहा है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष तिल्दा नेवरा बलदाऊ साहू , देवेंद्र वर्मा , रतनचंद सरोरा मंडल अध्यक्ष हरि मारखंडे ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. इससे आम उपभोक्ताओं, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता से ज्यादा राशि वसूली जा रही है, जबकि बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है. उन्होंने राज्य सरकार पर जनहित की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लगातार बढ़ रहे बिजली बिलों से आम लोग परेशान हैं. उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए स्मार्ट मीटर लगाया गया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव महारुद्राभिषेक में हुए शामिल

रायपुर, 23 अगस्त। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज पावन श्रावण मास में महासमुंद के विशाल मेगा मार्ट परिसर में एक माह तक आयोजित महारुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर हवन-पूजन किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना और अभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने भगवान शिव से प्रदेश में निरंतर विकास और जनकल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम में महासमुंद विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा सहित परिवारजन, पूर्व राज्य मंत्री श्री पूनम चंद्राकर, पूर्व सांसद श्री चुन्नी लाल साहू, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, श्री येतराम साहू और नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री देवी चंद राठी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद थे।

दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह

रायपुर, 23 अगस्त। सुरक्षा व्यवस्था और सरहद पर तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए रक्षाबंधन के अवसर पर 'राखी से रक्षा' जैसे विशेष अभियान चलाए जाते हैं। इस अनूठी पहल के तहत देश के आम नागरिक, महिलाएं, स्कूली छात्र और सामाजिक संगठन मिलकर सैनिकों के लिए राखियां भेजते हैं। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सुकमा जिला प्रशासन ने सुरक्षा में तैनात जवानों के प्रति सम्मान और अपनत्व की अनूठी पहल की है। जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में 'रक्षा सूत्र' अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस जवानों के लिए राखियां भेंट की गईं।

भाटापारा शाखा नहर से तालाबों को जोड़ने की पहल से तिल्दा-नेवरा में बढ़ सकता है भूमि का जलस्तर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 23 अगस्त। बढ़ती आबादी के साथ तिल्दा-नेवरा नगर में पेयजल संकट भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। ऐसे में यदि भाटापारा शाखा नहर से क्षेत्र के तालाबों को जोड़ने की ठोस योजना बनाई जाए, तो न केवल तालाबों में पानी का भराव बढ़ाया जा सकता है, बल्कि भूजल स्तर को भी सुधारने में मदद मिल सकती है।

तिल्दा-नेवरा में पिछले 50 वर्षों से अधिक समय में जनसंख्या का तेजी से विस्तार हुआ है। कभी नेवरा, तिल्दा और सासाहोली गांवों के रूप में पहचाने जाने वाला यह क्षेत्र आगे चलकर नगर पंचायत और फिर नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा में तब्दील हुआ। आबादी और रहवासी क्षेत्रों के लगातार विस्तार के साथ पेयजल की मांग भी कई गुना बढ़ गई है।

गर्मी आते ही गहराने लगता है पेयजल संकट: वर्तमान में नगर में पेयजल आपूर्ति के लिए सोमनाथ नदी प्रमुख जलस्रोतों में शामिल है। गर्मी के मौसम में नदी और अन्य जलस्रोतों में पानी कम होने के साथ ही नगर में पेयजल की समस्या बढ़ने लगती है। बढ़ती आबादी को देखते हुए आने वाले वर्षों में यह चुनौती और गंभीर हो सकती है।

ऐसे में केवल गर्मी के समय वैकल्पिक व्यवस्था करने के बजाय अभी से दीर्घकालीन जल प्रबंधन की योजना तैयार करने की आवश्यकता है।

तालाबों को नहर से जोड़ने पर बढ़ सकता है भूजल स्तर: क्षेत्र के तालाबों को भाटापारा शाखा नहर से जोड़ने की संभावना पर शासन और पालिका प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि तकनीकी सर्वे के बाद उपयुक्त स्थानों पर नहर का पानी तालाबों तक पहुंचाया जाए, तो बारिश के अलावा अन्य समय में भी जलस्रोतों में पानी बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

तालाबों में पर्याप्त पानी रहने से आसपास के क्षेत्रों में भूजल रिचार्ज की संभावना बढ़ेगी। इसका फायदा घरेलू उपयोग, किसानों और आने वाले समय में नगर की पेयजल व्यवस्था को भी मिल सकता है।

जनप्रतिनिधियों को बनानी होगी दीर्घकालीन योजना: स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों को शासन स्तर पर ठोस पहल करनी चाहिए। नगर पालिका प्रशासन को भी जलस्रोतों का सर्वे कर तालाबों की सूची, उनकी क्षमता, नहर से दूरी और जलभराव की संभावनाओं का अध्ययन कराना चाहिए।

साथ ही, गर्मी शुरू होने से पहले ही आने वाले वर्षों की पेयजल जरूरत को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए।

जलकर बढ़ाने के साथ सुविधा भी बढ़े : नगर में जलकर बढ़ाने की बात हो तो उसके साथ नागरिकों को बेहतर और नियमित पेयजल उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। यदि जलकर से प्राप्त राशि का उपयोग जलस्रोतों के संरक्षण, पाइपलाइन विस्तार, जल भंडारण और दीर्घकालीन पेयजल योजनाओं में किया जाए, तो यह व्यवस्था नगर के भविष्य के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

तिल्दा-नेवरा के सामने अब सवाल केवल आज की प्यास बुझाने का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाने का है। भाटापारा शाखा नहर से तालाबों को जोड़ने की संभाव्यता पर शासन, नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों को संयुक्त रूप से पहल करनी चाहिए। समय रहते योजना बनाकर काम शुरू किया गया तो आने वाले वर्षों में पेयजल संकट और गिरते भूजल स्तर से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

24 अगस्त को छिंदगढ़ में लगेगा मेगा आयुष्मान कैंप

रायपुर, 23 अगस्त। सुकमा जिले में अधिक से अधिक पात्र लोगों को शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने के लिए 24 अगस्त, सोमवार को छिंदगढ़ विकासखंड के विभिन्न गांवों में मेगा आयुष्मान कैंप का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन में आयोजित इस अभियान में 186 टीमें तैनात रहेंगी। मेगा कैंप में स्वास्थ्य विभाग की टीमें पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाएंगी। कैंप का आयोजन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा, ताकि ग्रामीण अपनी सुविधा के अनुसार कैंप में पहुंचकर कार्ड बनवा सकें। जिला समन्वयक आयुष्मान कार्ड श्री अमृतेश ठाकुर ने बताया कि छिंदगढ़ विकासखंड के 30 गांवों में कैंप लगाए जाएंगे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ब्रजेश बिचपुरिया पिता शम्भूनाथ बिचपुरिया निवासी ए-35 आनंद नगर सड़क 26 स्मृतिनगर भिलाई पूर्व में मेरे कुछ दस्तावेजों में ब्रजेश कुमार बिचपुरिया उल्लेखित था, बाद में मेरे सारे दस्तावेज पेनकार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पत्र , आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सभी में मेरा नाम ब्रजेश बिचपुरिया पिता शम्भूनाथ बिचपुरिया ही लिखा गया है।

अतः समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में ब्रजेश बिचपुरिया नाम से ही जाना व पहचाना जावे।

ब्रजेश बिचपुरिया
ए35 आनंद नगर
सड़क 26 स्मृतिनगर,
भिलाई

देवेन्द्र नगर के फुटपाथ पर बिना ढक्कन वाले 22 चेम्बर

रायपुर, 23 अगस्त। राजधानी की कई सड़कें ऐसी हैं जहां चेम्बर तो बना दिए ग हैं परंतु उसमें ढक्कन नहीं हैं। ये खुले हुए चेम्बर बेहद खतरनाक हैं। याद दिला दें कि कुछ वर्षों पूर्व खालसा स्कूल के सामने बारिश के पानी के कारण बिना ढक्कन का चेम्बर नजर नहीं आया। इसमें एक व्यक्ति गिर गया तथा पानी के तेज बहाव में अंदर ही अंदर बह गया। कई दिनों बाद नाली की सफाई के दौरान उसकी लाश मिली थी।

नाली व नालों पर बनाए गए कई चेम्बर ऐसे हैं जिनके ढक्कन जर्जर हो गए हैं। ऐसा नहीं है कि नगर निगम प्रशासन ने ढक्कन लगाया नहीं है। आपराधिक किस्म के लोग लोहे के ढक्कन को चोरी कर ले जाते हैं। नहर पारा विकास समिति के अध्यक्ष व पूर्व पार्षद रमेश आहूजा व महामंत्री किशोर आहूजा ने नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा को पत्र लिखकर देवेन्द्र नग आफिसर कालोनी जो दो के सामने चेम्रब को फर्शी पत्थर से ढकवाने का निवेदन किया है। उन्होंने बताया है कि जो सड़क देवेन्द्र नगर की ओर जाती है उसके फुटपाथ में 22 चेम्बर बिना ढक्कन के हैं। चेम्बर का साइज चार गुणा तीन व तीन गुणा दो है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जोन दो को समस्याओं के निराकरण के लिए पत्र भी लिखे गए लेकिन निराकरण की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

रिमझिम फुहारों के बीच थिरकीं सावन सुंदरियां

रायपुर, 23 अगस्त। ज़िन्दगी ना मिलेगी दोबारा सेवा संस्था द्वारा आयोजित सावन उत्सव इस वर्ष भी अत्यंत हर्षोल्लास एवं जागरूकता के साथ आज रायपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सावन की बरसाती रिमझिम फुहारों के बीच हुई, जहाँ संस्था की महिला सदस्यों ने रैंप वॉक कर सावन सुंदरियों का अद्भुत अंदाज़ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की एक और आकर्षक कड़ी रही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं विभिन्न रोचक खेल, जिनमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। तोशीबा ठाकुर सावन क्वीन चुनी गईं द्वितीय स्थान पर अनामिका दूबे , तीसरे स्थान पर कौशल्या कश्यप रहीं , साथ ही बेस्ट रेट्रो थीम में प्रथम आशा श्रीवास रहीं , रैंप वाक मे मोनिका पाठक दूसरे नंबर पर तथा विनीता शर्मा तीसरे पर रहीं। सभी प्रतिभागियों ने पूरे कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा एवं आत्मविश्वास से सभी का मन मोह लिया।

इस आयोजन की सबसे सार्थक विशेषता रही ड्रू यातायात एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र। संस्था ने हमेशा की तरह इस बार भी अपनी महिला सदस्यों को केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया। इस सत्र के लिए विशेष रूप से आमंत्रित पूर्व एआईजी (यातायात) संजय शर्मा ने अत्यंत रोचक एवं सरल अंदाज़ में महिलाओं को यातायात नियमों की बारीकियाँ समझाईं। साथ ही, बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक उपायों की जानकारी देकर उन्हें सजग एवं सुरक्षित बनाने का प्रयास किया।

दिव्यांश फाउंडेशन ने किया बच्चों को नि:शुल्क स्टेशनरी वितरण

रायपुर, 23 अगस्त। दिव्यांश फाउण्डेशन संस्था द्वारा शासकीय जनपद प्राथमिक शाला ब्रम्हीन कोंडागांव बस्तर के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें लगभग पूरे विद्यालय के बच्चों को निःशुल्क बैग, पेन, पेंसिल, स्केल, रबर का वितरण किया गया। जिससे अन्य बच्चों को आगे पढने और आगे बढने का उत्साह जगे। जो बच्चे अच्छे से मेहनत करे और आगे बढ़ कर अपने विद्यालय और अपने मां बाप का नाम रोशन कर सके। सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़े सब बढ़े के उद्देश से आज का आयोजन दिनांक 15 अगस्त 2026 को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अग्रसेन आयरन एंड स्टील प्रा. लि. सीएसआर कार्यक्रम के तहत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष राय, पवन यदु, अमित वर्मा, चमन साहू, आदित्य शर्मा, रंजन मरकाम, चंद्र कांत पोयम, श्रीराम कुमार ठाकुर और लाखन जायसवाल जी का सहयोग रहा।

राजधानी को चीन की तरह पार्किंग काम्प्लेक्स की जरूरत

रायपुर, 23 अगस्त। राजधानी में जहां एक ओर वाहनों की संख्या रोज बढ़ रही है वहीं बाजारों का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। इसके मुकाबले वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। ब्रांडेड कंपनियों के शोरूम तो खुल रहे हैं किंतु इन कंपनियों ने ग्राहकों की गाड़ियां खड़ी करने की जगह नहीं बनाइ है। नतीजा सड़कों पर वाहनों की पार्किंग। इससे सड़कों पर जगह-जगह जाम लग जाता है। चूंकि पार्किंग के लिए शहर के अंदर बड़ी जगह बची नहीं है लिहाजा जिला प्रशासन, नगर निगम या कहें राज्य सरकार को चाहिए कि छोटी जगह पर अत्याधुनिक बहुमंजिली पार्किंग का नर्माण किया जाए। यह तकनीक विदेशों से मंगाई जा सकती है। नहरपारा विकास मिति की अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद रमेश आहूजा तथा महामंत्री किशोर आहूजा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर चीन की तरह पार्किंग काम्प्लेक्स बनाने की मांग की है। चीन में सैकड़ों कारें आटोमेटिक सिस्टम से पार्क की जा रही है। यहां कारें लगाना व निकालना बेहद सुविधाजनक है। राज्य से तकनीकी ज्ञान रखने वाले अधिकारी व किसी आर्किटेक्ट को पार्किंग काम्प्लेक्स का अध्ययन करने चीन भेजना चाहिए फिर वैसी ही पार्किंग का निर्माण राजधानी में किया जाए। इससे ट्रैफिक की समस्या खत्म होगी।

कांग्रेस का प्रस्ताव संविधान की मूल भावना का अपमान: संजय

रायपुर, 23 अगस्त। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् के प्रति अपमानजनक रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा आज 22 अगस्त 2026 को वंदे मातरम् के केवल शुरुआती दो अंतरे गाए जाने संबंधी प्रस्ताव पारित करना देश की राष्ट्रभावना और संविधान की मूल भावना का अपमान है।

संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस ने 1937 में भी अपनी कार्यसमिति में वंदे मातरम् को लेकर इसी प्रकार का प्रस्ताव पारित किया था। उस समय पंडित जवाहरलाल नेहरू ने मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग के दबाव के आगे झुकते हुए वंदे मातरम् के केवल शुरुआती दो अंतरों को मान्यता देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में वंदे मातरम् ने देशवासियों में राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता की चेतना जगाने का काम किया। इसके बावजूद कांग्रेस द्वारा बार-बार इसके स्वरूप और सम्मान को लेकर विवाद खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

कैट ने उपमुख्यमंत्री की सकारात्मक पहल पर जताया आभार

रायपुर, 23 अगस्त। कैट के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ में व्यापार अनुज्ञापन शुल्क एवं उससे संबंधित प्रक्रियाओं को लेकर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स द्वारा शासन के समक्ष लगातार रखे जा रहे व्यापारिक हितों से जुड़े सुझावों पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा विस्तृत एवं बिंदुवार परीक्षण किया गया है। कैट के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी द्वारा 6 जुलाई को प्रस्तुत पत्र के संदर्भ में संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा विस्तृत परीक्षण रिपोर्ट तैयार कर शासन को प्रेषित की गई है। विभाग ने कैट द्वारा उठाए गए विभिन्न बिंदुओं का तकनीकी, व्यावहारिक एवं तुलनात्मक आधार पर परीक्षण किया है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26